www.anokhateer.com anokhateer@gmail.com पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

Epaper

दैनिक
अनोखा तीर
हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित
निशाने पर हर खबर

26 फरवरी 2026
हरदा, गुरुवार
वर्ष-15, अंक - 262, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
फाल्गुन शुक्ल पक्ष - 9
विक्रम संवत् 2082

सीएम ने किया आगर के होली मेले का वर्चुअल शुभारंभ

गोबर की गुलरिया और हर्बल गुलाल रहे आकर्षण

अनोखा तीर, भोपाल।

आगर मालवा जिला मुख्यालय स्थित जिला पंचायत परिसर में बुधवार को 'होली मेला' आयोजित किया गया। आजीविका मिशन के तहत लगे इस मेले में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की गई। प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित इन मेलों का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल से वर्चुअल माध्यम से किया। मेले में होली पर्व को देखते हुए विशेष स्टॉल लगाए गए थे। यहां समूहों द्वारा तैयार गोबर की गुलरिया, कंडे, हर्बल गुलाल और हाथ से बनी गुजिया की काफी मांग रही। इसके अलावा टेराकोटा की सामग्री, बैग, घी, मावा और अन्य हस्तशिल्प उत्पाद भी नागरिकों के लिए उपलब्ध थे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के हुनर को बाजार उपलब्ध कराना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

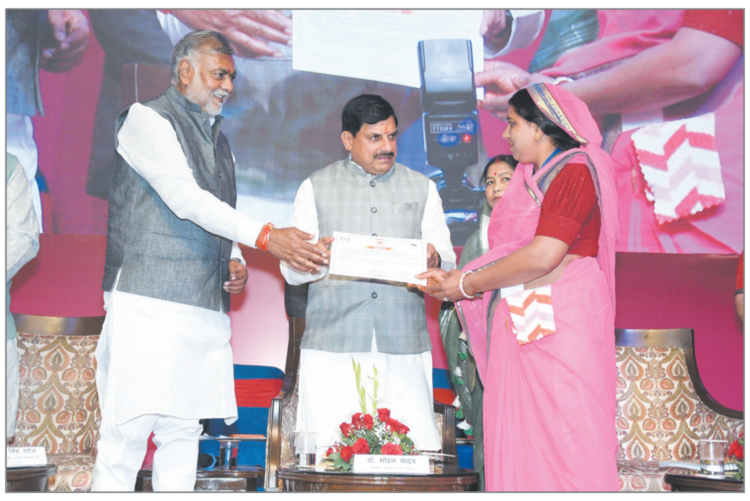

एक ही छत के नीचे मिली योजनाओं की जानकारी

मेले में केवल खरीदारी ही नहीं, बल्कि जन-जागरूकता का भी ध्यान रखा गया। विभिन्न सरकारी विभागों ने अपने सूचना स्टॉल लगाए, जहां नागरिकों को शासन की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इससे लोगों को एक ही स्थान पर खरीदारी के साथ-साथ महत्वपूर्ण सरकारी जानकारियाँ भी प्राप्त हुईं। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों को पहचान मिलती है और महिलाओं की आय में वृद्धि होती है। मेले में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर सामग्री की खरीदारी की।

शंकराचार्य मठ की 3मंजिला बिल्डिंग पर चला बुलडोजर

अनोखा तीर, उज्जैन। उज्जैन में सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत नगर निगम ने बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। निगम अमले ने पुलिस बल के साथ नृसिंह घाट से लालपुल ब्रिज मार्ग तक 2016 के बाद बने पक्के निर्माणों को हटाया। यह कार्रवाई जोन क्रमांक 03 क्षेत्र में की गई।

प्रशासन ने बताया कि सिंहस्थ मेले के लिए साधु-संतों के डेरों, टेंट और श्रद्धालुओं की पार्किंग के लिए जगह खाली कराई जा रही है।

आश्रम और धर्मशाला के निर्माण भी हटाए गए- कार्रवाई के

दौरान नर्मदा घाट क्षेत्र स्थित शंकराचार्य मठ में पुण्यानंद गिरी महाराज के आश्रम में भी कार्रवाई की गई। यहां 54 कमरों वाला तीन मंजिला भवन बनाया गया था, जिसमें एसी और नॉन-एसी कमरे थे। इस भवन में अवैध रूप से होटल संचालित किया जा रहा था।

प्रशासन के अनुसार तीन मंजिला होटल करीब 10 हजार से 15 हजार वर्गफुट क्षेत्र में बनाया गया था। नगर निगम की टीम ने इसे ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की।

मप्र में ओले-बारिश फसलों पर असर

20 जिलों में बिगड़ा मौसम; मार्च की शुरुआत में भी गिरेगा पानी

अनोखा तीर, भोपाल। मध्य प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ के असर से मौसम बदला हुआ है। पिछले दो दिनों में प्रदेश के 20 से अधिक जिलों में तेज आंधी और बारिश हुई है। कुछ इलाकों में ओले भी गिरे हैं, जिससे गेहूं और चने की फसलों को नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को मौसम साफ रहने की संभावना है, लेकिन मार्च की शुरुआत में एक बार फिर बारिश हो सकती है। मंगलवार को छिंदवाड़ा, सिवनी, बैतूल, पांढुर्णा, रतलाम, उज्जैन, बालाघाट, मंडला, खंडवा, सीहोर, रायसेन, इंदौर, अनूपपुर और डिंडौरी सहित कई जिलों में मौसम बिगड़ा रहा। कहीं तेज आंधी के साथ बारिश हुई तो कहीं ओलावृष्टि दर्ज की गई।

- **24 घंटे के दौरान इन जिलों में भी बारिश हुई-** इससे पहले 24 घंटे के दौरान श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, अशोकनगर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, दमोह, जबलपुर, मंडला और बालाघाट में हल्की बारिश दर्ज की गई। शिवपुरी, टीकमगढ़, छतरपुर, मैहर, सीधी और सिंगरौली जिलों में ओलावृष्टि हुई।
- **27 फरवरी से नया सिस्टम, प्रदेश में भी असर-** मौसम विभाग के अनुसार, 27 फरवरी को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) प्रभावित कर सकता है। जिसका असर एमपी में भी देखने को मिलेगा। यानी, 1 और 2 मार्च को प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है।

किसान ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

- **पिता बोले पत्नी धमकाती थी, केस भी दर्ज करा रखा था**

अनोखा तीर, भोपाल। भोपाल के ईंटखेड़ी में रहने वाले एक किसान ने मंगलवार रात घर में सल्फास की गोली खा लीं। इलाज के दौरान बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पत्नी से विवाद के चलते आत्महत्या की बात पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आई है।

गोलू साहू (28) हुकुचंद साहू रायपुर गांव ईंटखेड़ी का रहने वाला था। वह किसानी करता और मारवाड़ी रोड पर एक कॉस्मेटिक्स शॉप पर काम भी करता था। उसकी पत्नी ने दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज करा रखा था। बीते एक साल से पत्नी अपने मायके में रह रही है। लगातार कॉल पर दूसरे केस में फंसाने की धमकी देती थी।

बच्चों से नहीं मिलने देती थी पत्नी

गोलू साहू के दो बच्चे हैं। पत्नी गोलू को बच्चों से भी नहीं मिलने देती थी। इस बात को लेकर वह तनाव में रहते थे। मृतक के पिता का आरोप है कि बहू की आए दिन की धमकियों से तंग आकर बेटे ने मंगलवार रात को सल्फास खा लिया। इलाज के दौरान बुधवार की सुबह उनकी मौत हो गई।

विधानसभा में बजट सत्र का आठवां दिन

सिंगरौली में अदाणी माइंस के लिए काट रहे पेड़; मंत्री का जवाब- इससे नुकसान नहीं

कांग्रेस बोली- सीएम, मंत्री के झगड़े में मास्टर प्लान अटका

अनोखा तीर, भोपाल।

मध्य प्रदेश विधानसभा में बजट सत्र का आठवां दिन निराश्रित गोवंश, अदाणी कोल माइंस, मास्टर प्लान और टूटते पुलों को लेकर हंगामे के नाम रहा। कांग्रेस विधायकों ने कोल माइंस के लिए पेड़ कटाई को गैर जरूरी बताया तो भाजपा की तरफ से कहा गया कि पेड़ कटाई से कोई नुकसान नहीं होगा। कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा- ये बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि मंत्री कह रहा है कि हमने मास्टर प्लान बना लिया, मुख्यमंत्री जी को दे दिया। अब मुख्यमंत्री जी के यहां रुका हुआ है। इन दोनों के झगड़े में इंदौर जैसे ऐतिहासिक शहर का मास्टर प्लान अटका हुआ है। तराना विधायक महेश परमार बोले- जब से राकेश सिंह पीडब्ल्यूडी मंत्री बने हैं, तब से पुल टूटने के मामले में रिकॉर्ड बन रहा है। भोपाल में 90 डिग्री एंगल का ब्रिज बना दिया और मंत्री जी कह रहे हैं कि देश में ऐसे कई और पुल बने हुए हैं। यदि यह पुल सही बना था तो उन अधिकारियों को प्रोत्साहित क्यों नहीं किया? उनके ऊपर कारवाई करके उन्हें सस्पेंड क्यों किया, इसका जवाब दें।

फसल की रखवाली करें या गोवंश को ढूंढते फिरें किसान

कार्यवाही के दौरान कांग्रेस विधायक अजय सिंह ने निराश्रित गोवंश से फसलें नष्ट होने और यातायात बाधित होने की स्थिति पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि किसान अपनी फसल की रखवाली करें या निराश्रित गोवंश को ढूंढते फिरें। किसान रात में टॉर्च लेकर खेतों में गोवंश को भगाने को मजबूर हैं। कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने कहा कि निराश्रित गोवंश से परेशान होकर किसान अपने खेतों में करंट लगा देते हैं, जिससे अनजाने में गोवंश की मौत हो जाती है। कई बार बच्चे भी इसकी चपेट में आ जाते हैं। इसके जवाब में पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने कहा- 25 जिलों में गौशालाओं के लिए स्थान चिह्नित किए गए हैं। जबलपुर, रायसेन, दमोह, सागर, अशोकनगर, खरगोन और रीवा में टेंडर जारी हो चुके हैं। एक स्थान पर कम से कम 5 हजार गोवंश रखने की व्यवस्था होगी। वर्तमान में करीब 10 लाख निराश्रित गोवंश बेसहारा हैं, जिनमें से 4 लाख नई व्यवस्था के बाद सुरक्षित हो सकेंगे।

जंगलों और आदिवासियों को उजाड़ना चाहती है बीजेपी

वहीं, सिंगरौली में अदाणी समूह की कोल माइंस के लिए पेड़ कटाई मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस विधायक सेना पटेल ने कहा कि बीजेपी जंगलों और आदिवासियों को उजाड़ना चाहती है। कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह बोले- भाजपा अदाणी जी के पास गिरवी रखी हुई है। जब भी अदाणी जी पर कांग्रेस के विधायक या नेता कोई आरोप लगाते हैं, तो भाजपा नेताओं को आपत्ति होने लगती है। इसके जबाव में भाजपा विधायक रामनिवास शाह ने कहा- पेड़ कटाई से सिंगरौली का एक पैसे का नुकसान नहीं होगा। कोल माइंस के लिए पेड़ काटना जरूरी है, क्योंकि बिना कोयले के बिजली और बिना बिजली के पानी संभव नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि पेड़ कटाई के बजाय विस्थापन और मुआवजे के मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए। असली समस्या जमीन, विस्थापन और मुआवजे की है, जिस पर सरकार काम कर रही है। अदाणी को खदान मिलने पर उन्होंने कहा कि खदान नीलामी प्रक्रिया से मिलती है और अदाणी के अलावा एस्सार, जेपी और नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड जैसी कंपनियां भी वहां काम कर रही हैं।

भोजशाला में मिले 800 साल के सबूत

- **संस्कृत शिलालेख में शिक्षा केंद्र के प्रमाण; अरबी में सुल्तान का नाम मिला**

अनोखा तीर, इंदौर।

मध्य प्रदेश की धार स्थित भोजशाला मामले में सोमवार को हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में सुनवाई हुई। कोर्ट ने सभी याचिकाकर्ताओं और प्रतिवादियों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट पर दो हफ्ते के भीतर अपनी आपत्तियां और सुझाव देने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी, जहां दाखिल जवाबों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

एएसआई ने हाईकोर्ट के आदेश पर 22 मार्च 2024 से करीब 100 दिन तक परिसर और उससे 50 मीटर की परिधि में जांच, सर्वे और सीमित उत्खनन किया। टीम में पुरातत्वविद्, अभिलेखविद्, रसायनविद् और अन्य विशेषज्ञ शामिल थे।

शिक्षण केंद्र की संभावना जताने वाले शिलालेख मिले- रिपोर्ट में 12वीं से 20वीं सदी तक के शिलालेखों के प्रमाण मिले हैं। इनमें संस्कृत-प्राकृत के साथ नागरी लिपि के लेख और अरबी-फारसी में लिखे शिलालेख शामिल हैं। कुछ शिलालेख धार्मिक गतिविधियों का संकेत देते हैं तो कुछ शिक्षण केंद्र होने की संभावना जताते हैं। भोजशाला परिसर में 12वीं से 20वीं सदी तक के शिलालेखों के प्रमाण मिले हैं।

भोजशाला परिसर का नक्शा। इसमें गोल सर्कल में मंदिर परिसर को 50 मीटर परिधि में दिखाया गया है। एएसआई ने इसी क्षेत्र का सर्वे किया है।

परमार राजा के गुरु की लिखी नाटिका का उल्लेख मिला

शिलालेखों में पारिजातमंजरी नाटिका, अवनिकर्मसातम और नागबंध जैसे लेख मिले हैं। इनका जिक्र एएसआई की पुस्तकों 'एपिग्राफिया इंडिका और कॉर्पस इंसक्रिप्शनम इंडिकारम' में भी है। पारिजातमंजरी नाटिका को धार के परमार वंश के राजा अर्जुनवर्मन के गुरु मदन ने लिखा था। प्रस्तावना में बताया गया है कि इस नाटक का पहला मंचन देवी सरस्वती के मंदिर में हुआ था। एक शिलालेख में प्राकृत भाषा के दो काव्य मिले हैं, जिनमें हर एक में 109 पद्य हैं। पहले काव्य का नाम अवनिकर्मसातम है। माना जाता है कि इसकी रचना महाराजाधिराज भोजदेव ने की थी।

पढ़ाई-लिखाई और व्याकरण वाले शिलालेख मिले- पश्चिमी स्तंभशाला में मिले नागबंध शिलालेख पढ़ाई-लिखाई और व्याकरण के नजरिए से महत्वपूर्ण माने गए हैं। इनसे संकेत मिलता है कि यह स्थान कभी शिक्षण केंद्र रहा होगा। माना जाता है कि इसकी स्थापना राजा भोजदेव ने कराई थी। जांच के दौरान 13वीं सदी के आसपास के करीब 50 शिलालेखों के टुकड़े मिले। साथ ही एक प्रतिमा के आधार का टूटा हिस्सा भी मिला। कई पत्थर की पट्टिकाओं पर लिखावट जानबूझकर मिटाई गई थी और बाद में इन्हें निर्माण कार्य में इस्तेमाल कर लिया गया।

घाटे में चल रहे 9 सरकारी कृषि फार्म

- **रीवा में 26.91 लाख खेती पर खर्च, आय हुई 1.52 लाख; वजह- मौसम आधारित खेती**

अनोखा तीर, भोपाल। मध्य प्रदेश में खेती को लाभ का धंधा बताने वाली सरकार अपने ही कृषि फार्म में घाटे से उबर नहीं पा रही है। प्रदेश भर में मौजूद 46 कृषि फार्म में से 9 घाटे में हैं। सरकार मानती है कि इन कृषि फार्म से होने वाली घाटे की वजह मौसम आधारित खेती और मौसम की प्रतिकूलता है। कृषि फार्मों में

प्राकृतिक और मानव संसाधन की कमी का भी असर घाटे की वजह है। किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग के मंत्री एदल सिंह कंसाना ने यह जानकारी विधायक राजन मंडलोई के सवाल के लिखित जवाब में दी है। उन्होंने कहा है कि खेती करने में उपयोग में आने वाले बीज और अन्य सामान का बाजार मूल्य काफी अधिक होना भी खेती से होने वाले फायदे पर असर डालता है।

घाटे में चलने वाले फार्म की स्थिति का अंदाजा इससे लगता है कि रीवा जिले के जितनी फार्म में वर्ष 2024-25 में 26 लाख 91 हजार रुपए खेती पर खर्च किए गए और आमदनी सिर्फ 1 लाख 52 हजार रुपए की हुई।

किन्नर शंकराचार्य पर घमासान

संत समिति ने दी 11 दिन की मोहलत

- **कहा- सनातन परंपरा से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं**

अनोखा तीर, भोपाल।

महाशिवरात्रि पर राजधानी भोपाल में आयोजित किन्नर धर्म सम्मेलन में हिमांगी सखी को किन्नर शंकराचार्य घोषित किए जाने के बाद विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है।

सम्मेलन में राजस्थान के पुष्कर में नई किन्नर शंकराचार्य पीठ स्थापित करने की घोषणा की गई थी। साथ ही चार जगद्गुरु और पांच महामंडलेश्वर भी घोषित किए गए थे।

अब इस पूरे घटनाक्रम के खिलाफ संत समाज खुलकर सामने आ गया है। अखिल भारतीय संत समिति मध्य प्रदेश के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष स्वामी अनिलानंद ने संबंधित पक्ष को 11 दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि घोषित पदों का खंडन नहीं किया गया तो धारा 420 सहित आपराधिक केस दर्ज कराया जाएगा।

मीडिया से बातचीत में स्वामी अनिलानंद ने इस घोषणा को सनातन परंपरा के साथ छेड़छाड़ बताया। कहा कि बिना किसी अधिकृत धार्मिक प्रक्रिया के शंकराचार्य, जगद्गुरु और महामंडलेश्वर घोषित करना गंभीर विषय है। बता दें कि 15 फरवरी को इस मामले की शिकायत स्वामी अनिलानंद ने पुलिस कमिश्नर से की थी।

आप हो कौन? किस अधिकार से पद दे रहे हैं?- स्वामी अनिलानंद ने कहा, हम पूछते हैं कि आप हो कौन? किस हैसियत से महंत, महामंडलेश्वर और शंकराचार्य बना रहे हैं? संत बनाने का एक विधान होता है। यह कोई मंचीय कार्यक्रम नहीं कि किसी को भी कोई पद दे दिया।

सार-समाचार

जसवाड़ी आयुष्मान आरोग्य मंदिर को गुणवत्ता प्रमाणपत्र

अनोखा तीर, खंडवा। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन प्रणाली की टीम द्वारा 29 दिसम्बर 2025 को आयुष्मान आरोग्य मंदिर जसवाड़ी का वर्चुअल मूल्यांकन किया गया था। मूल्यांकन के दौरान ओपीडी कक्ष, दवा वितरण कक्ष, भंडार कक्ष,

अभिलेख संधारण तथा कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया गया। साथ ही ग्रामीणजनों से चर्चा कर दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओपी जुगतावत ने बताया कि निर्धारित मापदंडों के आधार पर 80.37 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर जसवाड़ी के आयुष्मान आरोग्य मंदिर को गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। उन्होंने सीबीएमओ डॉ. एनके सेठिया एवं उनकी टीम को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

गेहूं उपार्जन हेतु 7 मार्च तक कराएं पंजीयन

अनोखा तीर, खंडवा। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए शासन द्वारा किसान पंजीयन की अवधि 7 फरवरी से 7 मार्च 2026 तक निर्धारित की गई है। डिप्टी कलेक्टर दिनेश सावले ने बताया कि अब तक जिले में 10 हजार 637 किसान पंजीयन करा चुके हैं। उन्होंने किसानों से आग्रह किया है कि अंतिम तिथि 7 मार्च 2026 से पूर्व अपनी फसल का पंजीयन अनिवार्य रूप से करा लें। उपार्जन के लिए किसान सहकारी समितियों, लोकसेवा केंद्रों, तहसील कार्यालय, जनपद पंचायत तथा अन्य अधिकृत केंद्रों पर जाकर पंजीयन करा सकते हैं।

प्लास्टिक वेस्ट से तैयार की गृह सज्जा सामग्री

अनोखा तीर, टिमरनी। भाऊ साहेब भुस्कुटे शासकीय महाविद्यालय टिमरनी के इको क्लब के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्लास्टिक वेस्ट का उपयोग कर गृह सज्जा की उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रा व्युष्टि चौबे ने पॉलिथीन का प्रयोग कर फूलों की डलिया बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कंचन चौधरी ने लकड़ी के बुरादे एवं प्लाई के टुकड़ों से पेंटिंग

बनाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न क्षेत्रों से प्लास्टिक एकत्र कर महाविद्यालय में टोकरी, झूमर आदि का निर्माण किया। प्राचार्य डॉ. अरुण सिकरवार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे प्रयोगों से कचरे एवं प्रदूषण फैलाने वाले अपशिष्ट पदार्थों से उपयोगी सामग्री तैयार कर पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में योगदान दिया जा सकता है। इको क्लब प्रभारी डॉ. सुनील बौरासी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए शुभकामनाएं दीं। डॉ. संजीत सोनी ने जलवायु परिवर्तन एवं प्लास्टिक के दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. श्रीकांत गंगवार, डॉ. संजीत सोनी, डॉ. शीतल श्रीवास, डॉ. पंकज खैरनार, डॉ. सुनीत काशिव सहित इको क्लब टीम के सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने ग्राम संपर्क कर ग्रामीणों से किया संवाद

अनोखा तीर, सिराली। शासकीय महाविद्यालय द्वारा ग्राम खुदिया में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतर्गत पंचम दिवस 25 फरवरी को स्वयंसेवकों ने प्रात:कालीन गतिविधियों को पूर्ण करने के बाद ग्राम संपर्क अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न जरूरतमंद ग्रामीणों से संपर्क कर निरक्षरता, ग्रामीण समस्याओं एवं ड्रॉप आउट विद्यार्थियों से संबंधित जानकारी एकत्रित कर सर्वे किया गया। पांचवें दिन स्वयंसेवकों ने दल नायक वर्षा इवने के मार्गदर्शन में पूजा माणिक

को अध्यक्ष एवं नेहा को उपाध्यक्ष चुना। स्वयंसेवकों के मार्गदर्शन हेतु लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया से जुड़े मोहन गुर्जर ने स्वयंसेवकों से नेक अवसरों पर पौधरोपण की नई परंपरा प्रारंभ करने का आह्वान किया। दिवस के बौद्धिक सत्र को वरिष्ठ समाजसेवी शंभू सोमानी ने संबोधित करते हुए सेवा संस्कार सर्वोधर्म से जुड़ने के लिए स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी और महारानी लक्ष्मीबाई को प्रेरणा स्रोत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सेवा केवल कुछ दिनों तक चलने वाला कार्य नहीं, बल्कि यह एक अनवरत चलने वाला मिशन है। उन्होंने कहा कि आप संख्या में 50 हैं, लेकिन यदि संकल्प लें तो 50 हजार लोगों को जागृत कर सकते हैं। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रानी पटेल, महेश जाटव, ओमप्रकाश पटेल, स्वयंसेवक नंदिनी, राजनंदिनी, भावना, ज्योति, राज श्री, राखी, गायत्री आदि उपस्थित रहे।

आपातकाल के 50 वर्ष-लोकतंत्र के लिए सबक...

विषय पर जिला स्तरीय यूथ पार्लियामेंट का आयोजन

अनोखा तीर, टिमरनी। विकसित भारत अभियान के अंतर्गत 27 फरवरी को भाऊ साहेब भुस्कुटे शासकीय महाविद्यालय, टिमरनी में जिला स्तरीय यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का विषय 'आपातकाल के 50 वर्ष लोकतंत्र के लिए सबक' निर्धारित किया गया है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास, उसके मूल्यों और संवैधानिक दायित्वों के प्रति जागरूक करना है। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर सिद्धार्थ जैन उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथियों में युवा एवं खेल मंत्रालय के प्रशासनिक अधिकारी अशोक श्रोती तथा युवा अधिकारी (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़) राजकुमार वर्मा शामिल होंगे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हरदा जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के 60 से अधिक पंजीकृत विद्यार्थी सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम में जिले के शासकीय अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधियों की भी उपस्थिति रहेगी।

ग्राम जात्राखेड़ी में परचरी पुराण के चतुर्थ दिवस पर दिव्य आध्यात्मिक प्रसंग

अनोखा तीर, सिराली। ग्राम जात्राखेड़ी में आयोजित परचरी पुराण कथा के चतुर्थ दिवस पर निमाड़, भुवाणा और मालवा अंचल की सुप्रसिद्ध कथा प्रवक्ता सुश्री चेतना भारती ने भावपूर्ण वाणी में संत परंपरा के गूढ़ रहस्यों का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि संतों की वाणी कोई कल्पना नहीं, बल्कि उनके निज अनुभवों का साक्षात उद्बोधन होती है। उन्होंने बताया कि जब मनुष्य कर्ता-भाव में बंधकर अचेतन अवस्था में कर्म करता है, तब प्रत्येक कार्य अशांति, तनाव और अंतर्द्वंद्व को जन्म देता है। इसके विपरीत जो बुद्ध पुरुष स्वयं की पहचान कर आंतरिक शांति को प्राप्त कर लेते हैं, वे संसार में रहते हुए भी कर्मों से लिप्त नहीं होते। वे कर्म करते हुए प्रतीत अवश्य होते हैं, परंतु भीतर से अकर्ता हो जाते हैं–यही सच्ची अध्यात्म यात्रा है। सुश्री चेतना भारती ने कहा कि निमाड़ की पावन भूमि आत्मज्ञान से ओतप्रोत संत सिंगाजी महाराज की साधना और सिद्धि की साक्षी है। गुरु महाराज ने अपने जीवन और

वाणी से संपूर्ण निमाड़ को पुण्यभूमि और तपोभूमि के रूप में प्रतिष्ठित किया। संत सिंगाजी महाराज की वाणी आज भी सत्य के मार्ग की ओर प्रेरित करती है। उनके पदों का गान और श्रवण कर मनुष्य अपने जीवन को रूपांतरित कर सकता है तथा अशांति, शोक और क्षुब्धता से निकलकर परम आनंद और सत्य की अनुभूति कर सकता है। उन्होंने कहा कि निमाड़वासी संत सिंगाजी महाराज को प्रायः पशुओं के देवता के रूप में जानते हैं, परंतु यह उनकी महिमा का सीमित दृष्टिकोण है। संत सिंगाजी महाराज ऐसे सद्गुरु हैं, जो नर को नारायण बनने की कला सिखाते हैं। यही गूढ़ सत्य परचरी पुराण के माध्यम से व्यासपीठ से जनमानस के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि जहां-जहां संत सिंगाजी महाराज ने निवास किया अथवा कुछ समय के लिए ठहराव किया, वे सभी स्थल आज भी आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हैं। झाबुआ का देवझिरी क्षेत्र उनकी साधना से सिद्ध क्षेत्र के रूप में प्रसिद्ध है, जहाँ स्नान और दर्शन से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति की अनुभूति होती है। कथा के दौरान संत सिंगाजी महाराज की समाधि से संबंधित प्रसंग का भावपूर्ण श्रवण कराया गया। अंत में आरती, वधावा और

गगनभेदी जयकारों के साथ हलवा प्रसाद का वितरण किया गया। परचरी पुराण कथा का आयोजन ग्राम के धर्मप्रेमी नागरिकों द्वारा लोककल्याण और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार के उद्देश्य से श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया जा रहा है।

स्व कराधान योजना में फिसड्डी बनी ग्राम पंचायतें

बांस-बल्ली के बहाने जमा होता था टैक्स

अनोखा तीर, मसनगांव।

ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से शासन द्वारा स्व कराधान योजना लागू की गई थी। इसके अंतर्गत पंचायत स्तर पर मकान कर, प्रकाश कर, जलकर, स्वच्छता कर, संपत्ति कर तथा व्यवसाय कर के रूप में ग्रामीणों से प्रतिवर्ष नगर पालिका की तर्ज पर टैक्स वसूली का प्रावधान किया गया है। बावजूद इसके, ग्रामीण क्षेत्रों में टैक्स वसूली को लेकर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई दे रही है, जिससे योजना प्रभावहीन साबित हो रही है। अधिकांश ग्राम पंचायतों में कर के नाम पर केवल जलकर की वसूली हो रही है। कुछ स्थानों पर मकान निर्माण की अनुमति या टीपी लेने पर ही मकान कर लिया जाता है। टैक्स की नियमित वसूली न होने से पंचायतों का पूरा दारोमदार 15वें वित्त और पांचवें वित्त की राशि पर टिका हुआ है। 15वें वित्त की राशि जनसंख्या के आधार पर दी जाती है, जिसका उपयोग टाइड और अनटाइड मदों के अनुसार किया जाता है। ऐसे में पंचायतों के पास अतिरिक्त खर्च के लिए केवल पांचवें वित्त की राशि ही बचती है, लेकिन उस पर भी कई प्रावधान लागू हैं, जिससे पर्याप्त धन उपलब्ध नहीं हो पाता और विकास कार्य अटक जाते हैं। हाल ही में ग्राम के मुक्तिधाम में 4 लाख रुपए की लागत से सौंदर्यीकरण कार्य कराया गया, लेकिन राशि अब तक प्राप्त नहीं हुई है। इसके कारण पंचायत पर मिस्त्री और अन्य संबंधित लोगों की देनदारियां बनी हुई हैं। पंचायत सचिव नंदलाल बघेल ने बताया कि पांचवें वित्त और स्टांप शुल्क की राशि पंचायत को मिलनी है, परंतु प्रदेश स्तर पर पंचायत पोर्टल पर ऑनलाइन प्रविष्टि नहीं होने से भुगतान अटका हुआ है। मुक्तिधाम के सौंदर्यीकरण कार्य की राशि का भुगतान लंबित है। इस संबंध में जिला पंचायत को पत्र लिखकर राशि डलवाने की मांग की गई है। इसी प्रकार कांकरिया में पंचायत भवन निर्माण के लिए शासन द्वारा जारी राशि भी अटकी हुई है।

ग्रेवल मार्ग और मुरमीकरण कार्यों पर लगी रोक

पूर्व में पंचायत स्तर पर मकान कर, प्रकाश कर और जलकर की वसूली की जाती थी। इसके एवज में किसानों को बांस-बल्ली उपलब्ध कराई जाती थी। यह व्यवस्था बंद होने के बाद से टैक्स वसूली लगभग शून्य हो गई है। परिणामस्वरूप छोटे-मोटे कार्यों के लिए भी पंचायतों को शासन से मिलने वाली राशि का इंतजार करना पड़ता है। शासन द्वारा ग्रेवल मार्ग और मुरमीकरण जैसे कार्यों पर रोक लगाए जाने से कई स्थानों पर विकास कार्य ठप पड़े हैं। पंचायत में चुनाव के समय नामांकन पत्र भरते समय मकान कर जमा कराया जाता है। इसके बाद जिन लोगों को अनुमति की आवश्यकता होती है, वे टैक्स के रूप में राशि जमा करते हैं, जो लगभग 10 हजार रुपए के आसपास होती है। पंचायत में करीब 500 नल कनेक्शन हैं। इस हिसाब से प्रतिमाह लगभग 50 हजार रुपए की आय संभव है। वहीं मकान कर और प्रकाश कर मिलाकर लाखों रुपए की वसूली हो सकती है, लेकिन अधिकांश पंचायतों में टैक्स वसूली को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है, जिससे कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पंचायत में ग्राम सभा के माध्यम से टैक्स वसूली का प्रस्ताव पारित किया गया है। सचिव नंदलाल बघेल के अनुसार, जल्द ही इस पर अमल किया जाएगा।

परचरी पुराण के शुभारंभ पर निकाली कलश यात्रा

अनोखा तीर, करताना।

संत सिंगाजी महाराज की परचरी पुराण का शुभारंभ बुधवार को कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा गांव के बजरंग मंदिर से धूमधाम के साथ निकाली गई, जो मुख्य मार्गों से होती हुई कथा स्थल होली चौक पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भाग लिया। कथा के प्रथम दिवस कथा वाचक संजय महाराज ने गुरु महिमा, निर्गुण भक्ति के महत्व और ज्ञान गंगा में डुबकी लगाने के लिए निर्मल श्रद्धा रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कथा श्रवण के दौरान श्रोताओं को

अपना मन घर-गृहस्थी की चिंताओं से मुक्त कर पूर्णतः भगवान के नाम में लीन करना चाहिए। पहले दिन की कथा में निर्मल श्रद्धा और जिज्ञासा पर विशेष बल दिया गया।

बताया गया कि भगवान का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मन में सच्ची श्रद्धा और जानने की तीव्र इच्छा आवश्यक है। साथ ही गुरु परंपरा और गुरु महिमा का वर्णन करते हुए गुरु को सर्वोच्च स्थान बताया गया। कथा निमाड़ क्षेत्र की लोक संस्कृति और निमाड़ी बोली में प्रस्तुत की जा रही है, जिससे श्रद्धालु अध्यात्म से सहज रूप से जुड़ पा रहे हैं। कथा का प्रारंभ संत सिंगाजी महाराज की महिमा और उनके उपदेशों के साथ हुआ, जिसमें उनके जीवन से जुड़े परचरी प्रसंगों का वर्णन किया गया, जो उनके भक्तिकाल की महानता को दर्शाते हैं। कार्यक्रम के अंत में महाआरती एवं महाप्रसादी का वितरण किया गया।

गौसेवा हेतु जनप्रतिनिधियों से कमर कसकर आगे आने का विधानसभा में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने किया आह्वान

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गौ संरक्षण एवं संवर्द्धन के विषय में विधानसभा में विचार व्यक्त करते हुए सभी जनप्रतिनिधियों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गौसेवा केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से आग्रह किया कि वे गौसेवा के इस महत्वपूर्ण विषय मे सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कर ठोस कदम उठाएँ। उन्होंने कहा कि पूर्व में प्रति गौवंश प्रतिदिन मात्र पाँच रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती थी, जिसे बढ़ाकर बीस रुपये किया गया और अब चालीस रुपये प्रति गौवंश प्रतिदिन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस राशि में से पैंतीस रुपये चारा, भूसा एवं पोषण आहार के लिए तथा पाँच रुपये गौसेवकों के मानदेय के लिए निर्धारित हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगभग पाँच हजार निराश्रित गौवंशों के संरक्षण की व्यवस्था सहज रूप से की जा सकती है। रीवा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि लक्ष्मण बाग में लगभग एक हजार गौवंश संरक्षित हैं, बसामन मामा क्षेत्र में 9 से 10 हजार गौवंशों की व्यवस्था है तथा हिनौतिया गौधाम में लगभग 25 हजार गौवंशों को रखने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उपलब्ध भूमि के समुचित उपयोग से और अधिक सुव्यवस्थित विकास किया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि केवल सुझाव देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि सभी जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्रों में ठोस कार्ययोजना बनाकर मैदान में उतरना होगा।

बड़ा तालाब-कैचमेंट एरिया में 10 साल में सैकड़ों नए निर्माण

भोपाल सांसद-कलेक्टर की फटकार के बाद फिर कार्रवाई, टास्क फोर्स रखेगी नजर

भोपाल (नप्र)। भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब अतिक्रमण की जकड़ में है। पिछले 10 साल में बड़ा तालाब के कैचमेंट एरिया में ही सैकड़ों पक्के निर्माण बन गए। कुछ तो मुनारों से ही सटकर बने हैं। दूसरी ओर, भदभदा की 350 से ज्यादा झुग्गियां ही हटाई जा सकी हैं। इसे लेकर जिला प्रशासन और नगर निगम को एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्राइबल) कई बार फटकार भी लगा चुका है। हाल ही में सांसद आलोक शर्मा ने अफसरों की बैठक भी ली थी और बड़ा तालाब के अतिक्रमण को लेकर जमकर फटकार लगाई थी। इसके बाद जिला प्रशासन एक्टिव हुआ है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने जिला स्तरीय टास्क फोर्स भी बनाई है, जो कार्रवाई पर नजर रखेगी। ऐसे में प्रशासन जल्द ही बड़े स्तर पर कार्रवाई कर सकता है। बुधवार को जिम्मेदार एसडीएम-तहसीलदारों के बीच कार्रवाई को लेकर चर्चा भी हुई।

अब तक 3 बार सर्वे, ठोस कार्रवाई नहीं- बता दें कि बड़ा तालाब का बीते दस साल में 3 बार

सर्वे हो चुका है। इनमें बड़ी संख्या में अतिक्रमण सामने आए, लेकिन सर्वे रिपोर्ट का आज तक पता नहीं है। इस वजह से बैरागढ़, खानूगांव, सूरज नगर, गौरागांव, बिसनखेड़ी समेत कई जगहों पर अतिक्रमण हुए। कई मैरिज गार्डन, फार्म हाउस, स्कूल-कॉलेज, घरों की सीमाएं बड़ा तालाब में हैं। सांसद आलोक शर्मा ने दो दिन पहले ही अफसरों की बैठक लेकर बड़ा तालाब के अतिक्रमण को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी।

50 मीटर के दायरे में ढेरों अतिक्रमण- एक्सपर्ट राशिद नूर की मानें तो शहरी सीमा में 50 मीटर और ग्रामीण सीमा में 250 मीटर के दायरे में कोई निर्माण नहीं होना चाहिए, लेकिन एफटीएल मुनार से सटकर ही पक्के निर्माण बन गए हैं। ऐसे 1 या 2 नहीं, बल्कि सैकड़ों निर्माण हैं। भदभदा, बिसनखेड़ी, गौरागांव, बील गांव और सूरजनगर में बड़ी बिल्डिंग, फार्म हाउस, रिसॉर्ट भी देखने को मिल सकते हैं। हैरत की बात ये है कि बड़ा तालाब रामसर साइट भी है। बावजूद सालों से सिर्फ फाइलों में ही कब्जे हटे हैं। सूरजनगर में तो जिस जगह पर रामसर साइट है और नगर निगम की मुनार लगी है। ठीक उससे जुड़ी बिल्डिंग की बाउंड्रीवॉल है। यही पर नगर निगम की सीवेज लाइन भी बिछाई गई है। मुनार के पास सड़क भी भरी गई है, जो नियम के विरुद्ध है। दूसरी ओर गौरागांव से बील गांव की तरफ सड़क भी तालाब के बीच से ही गुजरी है।

मुनारों में भी फर्जीवाड़ा...दो तरह की मुनारे मिले- बड़ा तालाब के किनारों पर भू-माफिया सक्रिय हैं, जो कम दाम पर प्लाट देने का वादा कर रहे हैं।

आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मियों का प्रदर्शन, बेहोश होकर गिरी कर्मचारी

ढाई साल का बच्चा भी साथ में, भोपाल के जेपी अस्पताल के बाहर हंगामा, पुलिस-कर्मचारियों में धक्का-मुक्की

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के लगभग 30,000 आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी रेगुलराइजेशन समेत 9-सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। 25 फरवरी 2026 से शुरू हुआ यह प्रदेशव्यापी आंदोलन भोपाल में 'न्याय यात्रा' और सामूहिक हड़ताल के साथ तेज हो गया है। इससे जिला अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। भोपाल के जेपी अस्पताल परिसर में करीब 3 हजार कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार और विभाग के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। अस्पताल परिसर में भारी पुलिस बल तैनात कर बैरिकेडिंग कर दी गई। सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं। प्रदर्शनकारी गेट पर ही नारेबाजी कर रहे हैं।

महिला कर्मचारी बेहोश होकर गिरी, ढाई साल के बच्चे साथ प्रदर्शन- वहीं जेपी अस्पताल परिसर में कर्मचारियों की न्याय यात्रा में शामिल एक महिला कर्मचारी बेहोश होकर गिर पड़ी। वह अपने ढाई साल के बच्चे के साथ प्रदर्शन में शामिल होने पहुंची थीं। बच्चे को साथी कर्मचारी संभाल रहे हैं, जबकि मीना को स्वास्थ्य संचालनालय के सामने बने चबूतरे पर लिटाया गया है। प्रदर्शनकारी रेगुलराइजेशन की मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों ने डायरेक्टर ऑफ हेल्थ सर्विसेज के ऑफिस से मुख्यमंत्री के घर तक

न्याय मार्च निकालने की कोशिश की, लेकिन एडमिनिस्ट्रेशन ने उन्हें जगह से बाहर जाने से रोक दिया। एड्स कंट्रोल एम्प्लॉइज यूनियन, जॉइंट डेंगू-मलेरिया एम्प्लॉइज यूनियन, ऑल हेल्थ ऑफिसर्स एम्प्लॉइज फेडरेशन, कॉन्ट्रैक्ट आउटसोर्स्ड हेल्थ वर्कर्स यूनियन और नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

काली पट्टी बांधकर जता चुके विरोध, कोई ध्यान नहीं दे रहा- समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कौरव ने बताया कि 2 फरवरी से संविदा कर्मचारी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन विभागीय अधिकारी उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहे। इसी वजह से पिछले दो दिनों से कर्मचारी काली पट्टी बांधकर विरोध जता रहे थे। उन्होंने कहा कि आज संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं से न्याय यात्रा निकालकर राजधानी में विरोध दर्ज कराया गया है, ताकि उनकी मांगें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंच सकें।

कैंसर का खतरा, लेकिन अलाउंस सिर्फ 50 रुपए- मध्य प्रदेश रेडियोलॉजी टेक्नीशियन एसोसिएशन के स्टेट प्रेसिडेंट वीरेंद्र राजपूत ने कहा कि सरकारी रेडियोलॉजी टेक्नीशियन को पिछले 35 सालों से रेडिएशन अलाउंस के तौर पर सिर्फ 50 रुपए मिल रहे हैं। इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र समेत दूसरे राज्यों में अलाउंस 1,500 से 2,500 रुपये तक है। यह तब है जब लंबे समय तक रेडिएशन के संपर्क में रहने से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। अब तक हमारे 20 साथियों की कैंसर से मौत हो चुकी है, और छह मरीज़ों का अभी भी इलाज चल रहा है।

पुलिस ने उन्हें जबरदस्ती रोका- कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स एसोसिएशन की प्रेसिडेंट कोमल सिंह ने कहा, हमने बहुत इंतजार कर लिया। इससे कर्मचारियों में गुस्सा है। बुधवार को जब कर्मचारी न्याय मार्च निकाल रहे थे, तो पुलिस ने उन्हें जबरदस्ती रोक दिया। उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों के साथ हमेशा धोखा हुआ है। सरकार बदलने से हमें उम्मीद थी, लेकिन नई सरकार भी कर्मचारियों की मांगें पूरी नहीं कर रही है। अब कर्मचारियों के पास हड़ताल के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

रोहित तिवारी बने राष्ट्रीय प्रचार मंत्री

अनोखा तीर, हरदा। अखिल भारतीय श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री पद पर वरिष्ठ समाजसेवी एवं पत्रकार रोहित तिवारी का मनोनयन किया गया है। महासभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी ने संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण, सेवा भाव एवं उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता को ध्यान में रखते हुए यह नियुक्ति की। नियुक्ति पर सर्व ब्राह्मण समाज के कार्यकारी अध्यक्ष पंडित ओमप्रकाश पुरोहित, संरक्षक चंद्रकांत शुक्ला, राजेश पाराशर, महामंत्री लोकेश शर्मा, उत्तम तेनगुरिया, संयोजक प्रदीप पटेल, नितेश बादर, अखिलेश पाराशर, विशाल तिवारी, संजोग व्यास, विवेक बादर, सुदीप मंडलोई, नवीन शर्मा, दीपक शुक्ला, सौरभ तिवारी, शांति जैसानी, संतोष व्यास, मनीष व्यास, विनय तिवारी, प्रफुल्ल व्यास एवं दीप उपाध्याय सहित समाजजनों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सार-समाचार

शिविर में दिव्यांगजनों की स्क्रीनिंग की गई

अनोखा तीर, हरदा। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत संचालित सभी पेंशन योजनाओं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के अन्तर्गत सभी पात्र हितग्राहियों के पेंशन फार्म तैयार कर पेंशन स्वीकृत करने एवं उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार दिव्यांग बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र तैयार करने हेतु जिले में स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग कमलेश सिंह ने बताया कि बुधवार को दिव्यांगजनों के चिन्हांकन एवं दिव्यांग प्रमाण-पत्र तैयार कराने हेतु हंडिया में स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अधिकारी विशेषज्ञों द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों से 151, शिविर स्थल पर 161 एवं विद्यालय में 154 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान दिव्यांगजनों को पात्रता अनुसार पेंशन एवं अन्य विभागीय योजनओं का लाभ प्रदाय किया गया।

चोरी की घटनाओं पर अंकुश के लिए कॉलोनी अध्यक्षों की बैठक

अनोखा तीर, हरदा। जिले में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक हरदा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी हरदा के मार्गदर्शन में कॉलोनियों के अध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई। बुधवार को थाना कोतवाली परिसर में शहर के आउटर क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों के अध्यक्षों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में

कॉलोनियों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने कॉलोनी क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने, रात्रिकालीन चौकीदार नियुक्त करने, सूने मकानों की नियमित निगरानी रखने तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित कॉलोनी अध्यक्षों ने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। साथ ही बेहतर समन्वय और त्वरित सूचना के आदान-प्रदान के लिए संबंधित बीट प्रभारी एवं पुलिस कर्मचारियों के मोबाइल नंबर भी साझा किए गए। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्रों में सतर्कता बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने ने विधानसभा में उठाए जिले के महत्वपूर्ण मुद्दे

अनोखा तीर, हरदा। विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने ने मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के सातवें दिन हरदा जिले से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार से सवाल किए। उन्होंने जिले में संचालित गिट्टी और मुरम खदानों, उनकी वैधता, रॉयल्टी, पर्यावरण स्वीकृति तथा विगत तीन वर्षों में अवैध खनन के मामलों की जानकारी मांगी। मुख्यमंत्री ने जवाब में बताया कि जिले में रेत की कोई खदान संचालित नहीं है, जबकि 13 गिट्टी और 4 मुरम खदानें

चालू हैं। संबंधित विस्तृत जानकारी परिशिष्ट में उपलब्ध कराई गई है। जिला न्यायालय के नवीन भवन निर्माण के संबंध में विधायक ने दान में मिली भूमि पर निर्माण शुरू न होने का मुद्दा उठाया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जानकारी एकत्रित की जा रही है। वन विभाग द्वारा पिछले तीन वर्षों में किए गए वृक्षारोपण, व्यय राशि और जीवितता प्रतिशत की जानकारी भी मांगी गई। शासन ने बताया कि विभिन्न वन परिक्षेत्रों में बांस एवं मिश्रित प्रजातियों का रोपण किया गया है, जिनकी जीवितता 70 से 100 प्रतिशत तक दर्ज की गई है। 6 फरवरी 2024 को हरदा पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट के पीड़ितों को मुआवजा, जिम्मेदार अधिकारियों पर की गई कार्रवाई और भविष्य में ऐसे हादसों की रोकथाम के उपायों पर भी प्रश्न उठाए गए। शासन ने बताया कि कलेक्टर को आरोप पत्र जारी किया गया है तथा प्रकरण परीक्षणाधीन है, जबकि तत्कालीन पुलिस अधीक्षक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रचलन में है। इसके अलावा तलाई टप्पर के पास फोरलेन मार्ग पर अंडरपास निर्माण नहीं होने से जनसुरक्षा की समस्या का मुद्दा भी ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से उठाया गया। विधायक ने शीघ्र अंडरपास निर्माण की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि कई प्रश्नों पर जानकारी एकत्रित की जा रही है जैसे जवाब गंभीर चिंता का विषय हैं।

युवाओं का तीन दिवसीय

पर्यावरणीय एक्सपोज़र कार्यक्रम

अनोखा तीर, रहटगांव।

सिनर्जी संस्थान द्वारा टेरे डेस होम्स के सहयोग से संचालित किशोर किशोरी संसाधन केंद्र रहटगांव के अंतर्गत युवाओं के लिए तीन दिवसीय पर्यावरणीय एक्सपोज़र कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम के प्रथम दिवस 30 युवा साथियों को हंडिया के नयापुरा गांव का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। रहटगांव क्षेत्र के विभिन्न फील्ड गांवों से जुड़े युवा इसमें सहभागी बने। नयापुरा स्थित राय जैव संसाधन केंद्र में युवाओं को औषधीय पौधों, फूल-पत्तियों से प्राकृतिक दवाइयां बनाने की प्रक्रिया तथा जैविक खाद निर्माण की विधि का प्रत्यक्ष अनुभव कराया गया। इस दौरान जैविक खेती की तकनीक, स्थानीय संसाधनों के उपयोग और प्राकृतिक खेती के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई। राय जैव संसाधन केंद्र, नयापुरा से जय नारायण ने युवाओं को जैविक कृषि अपनाने की प्रक्रिया, खेती की उन्नत तकनीकों और प्राकृतिक संसाधनों

के संरक्षण के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने जैविक खाद तैयार करने की विधि का व्यवहारिक प्रदर्शन करते हुए केंचुओं के माध्यम से वर्मी कम्पोस्ट बनाने की प्रक्रिया बताई। साथ ही युवाओं को प्रेरित किया कि वे इस ज्ञान को अपने घर-परिवार, खेत-खलिहानों और समुदाय में लागू करें। इस अवसर पर युवाओं ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पर्यावरण अनुकूल खेती और रासायनिक मुक्त उत्पादन के महत्व को नजदीक से समझा। प्रतिभागियों ने इसे उपयोगी और प्रेरणादायक अनुभव बताया। उनका कहना था कि इस प्रकार का एक्सपोज़र उन्हें अपने गांव में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित करेगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम दिवस हंडिया (नयापुरा) का भ्रमण किया गया।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिवक्तागण के साथ बैठक संपन्न

अनोखा तीर, हरदा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार 14 मार्च 2026 को वर्ष की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष अरविन्द रघुवंशी की अध्यक्षता में बुधवार को जिला अधिवक्ता संघ, हरदा के सभागार में अधिवक्तागण के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष श्री रघुवंशी ने आगामी लोक अदालत में समझौता योग्य लंबित सिविल एवं आपराधिक प्रकरणों व प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में निराकरण व पक्षकारों को लाभांवित कराने में अधिवक्ताओं द्वारा सहयोग प्रदान किये जाने की अपील की। बैठक में नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत जयदीप सिंह ने सिविल प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, चेक अनादरण के

प्रकरणों, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण और बीमा कंपनी के प्रकरणों के निराकरण हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही पैरालीगल वॉलेंटियर्स के माध्यम से भी पक्षकारों को समझाईश एवं समझौते हेतु कार्य करवाये जाने के बारे में बताया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि हरदा जिला न्यायालय का लोक अदालत के माध्यम से निराकृत प्रकरणों में हमेशा प्रदेश में अगृणी स्थान रहा है। उन्होंने अधिवक्तागण से अपील की है कि वे अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण उक्त स्थान को बनाये रखने में सहयोग प्रदान करें। जिला अधिवक्ता संघ, हरदा के अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने पूर्व की भांति इस बार भी नेशनल लोक अदालत में सभी अधिवक्तागण की ओर से अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण में सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होने पक्षकारगण से भी अधिक से अधिक संख्या में प्रकरण का निराकरण किये जाने में सहयोग प्रदान करने की अपील की। बैठक में उपस्थित अधिवक्तागण द्वारा नेशनल लोक अदालत के अनुभव एवं लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के संबंध में उनके विचार व्यक्त किए। बैठक में जिला मुख्यालय में पदस्थ न्यायाधीशगण, जिला विधिक सहायता अधिकारी सौरभ दुबे, सचिव अधिवक्ता संघ शैलेन्द्र जोशी, पदाधिकारीगण एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

छिदगांव में आज मनाएंगे बांसकारी उत्सव

अनोखा तीर, हरदा।

छिदगांव, जिला हरदा स्थित बांसकारी टेक्नोलॉजी और कॉमन फेसिलिटी सेंटर पर 26 फरवरी को हरदा बांसकारी उत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन एमपीआईडीसी, सर्च एंड रिसर्च डेवेलपमेंट सोसाइटी, डीआईसीसीआई द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम में एक जिला एक उत्पाद बांस मेला, उद्यम विकास कार्यक्रम, एक्सपोर्ट कार्यशाला और खरीदार-विक्रेता संवाद का आयोजन होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य बांस से संबंधित सभी स्टेकहोल्डर को एक प्लेटफार्म पर लाना है। हरदा जिले में एक जिला एक उत्पाद के तहत बांस को चुना गया है।

बांस को प्रोत्साहित करने और बांस उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास भी इस कार्यक्रम के द्वारा किया जाएगा। बांस कलाकारों द्वारा बनाए गए बांस उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ कलेक्टर सिद्धार्थ जैन द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार से बांस तकनीक एक्सपर्ट डॉ. श्याम विश्वनाथ, क्षेत्रीय प्रबंधक, एमपीआईडीसी हरदा, अध्यक्ष डिक्की मध्य प्रदेश, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, वन मंडल अधिकारी हरदा प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। एमपीआईडीसी से शुभम गुप्ता ने बताया इस कार्यक्रम की विशेषता पारंपरिक कला के साथ तकनीक के समन्वय से तैयार उत्पादों को निर्यात करने के लिए निर्यात की जानकारी देना एवं निर्यात के लिए हैंडहोल्डिंग सपोर्ट प्रदान करना है। बांसकारी की संचालक, डॉ मोनिका जैन ने बताया कि कार्यक्रम में महिला एवं युवा उद्यमियों द्वारा सक्सेस स्टोरी प्रस्तुतीकरण, नेटवर्किंग, उद्यम विकास एवं एक्सपोर्ट मार्गदर्शन सत्र, खरीदार-विक्रेता संवाद के आयोजन से हरदा, रहटगांव, छिदगांव एवं टिमरनी क्षेत्र के 300 से 400 प्रतिभागी प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। उन्होने बताया कि बांसकारी केंद्र सर्च एंड रिसर्च डेवलोपमेंट द्वारा डिपार्टमेंट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग स्थापित किया गया है।

पिछले ढाई वर्षों में इस केंद्र के माध्यम से 800 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाया गया है। डॉ. जैन ने कहा कि बांस जब कारीगरों के हाथों में आता है तो वह केवल एक वन उपज नहीं रहता, वह आकार लेता है, रचनात्मकता का, आत्मनिर्भरता का और सपनों का। इन्हीं सपनों को साकार करने की दिशा में यह कार्यक्रम एक सशक्त पहल है।

किसान कल्याण वर्ष...

जिले के 10614 किसानों को वितरित किए मृदा स्वास्थ्य कार्ड

अनोखा तीर, हरदा। शासन द्वारा अन्नदाता किसानों को आत्मनिर्भर बनाने, उनके सम्मान और आय में वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किसान कल्याण वर्ष 2026 अंतर्गत किसान हितेषी गतिविधियां आयोजित की जा रही है। उप संचालक कृषि विकास तथा किसान कल्याण जे.एल. कास्दे ने बताया कि किसान कल्याण वर्ष के तहत जिले में भी किसानों के हित में विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। मृदा हेल्थ एंड फर्टिलिटी योजना अंतर्गत जिले के 12245 किसानों के खेतो से मिट्टी के नमूने एकत्र कर उनका परीक्षण किया जा रहा है तथा परीक्षण परिणामों के आधार पर किसानो को मृदा स्वास्थ कार्ड वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अद्यतन स्थिति में जिले में 11192 मृदा नमूने एकत्रित कर 10835 मृदा नमूना का विश्लेषण किया गया है तथा 10614 किसानों को मृदा स्वास्थ कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। उप संचालक श्री कास्दे ने बताया कि खेती की उत्पादकता बढाने के लिए खेतों की मृदा का स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है, मृदा की गुणवत्ता ख़राब होने से फसलों के उत्पादन पर सीधा प्रभाव पड़ता है और किसानों को अपेक्षित परिणाम नही मिलते है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग द्वारा मृदा परिक्षण एवं मृदा स्वास्थ कार्ड वितरण हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार की गई है।

हेल्प लाईन नंबर

सीएम हेल्प लाईन	181
पुलिस	112
फायर बिग्रेड	101
एम्बुलेन्स	108
चाईल्ड हेल्प लाईन	1098
किसान कॉल सेंटर	18001801551
विद्युत शिकायत	18002331912
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112-100
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेन्स सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाईल्ड लाईन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाईन	1076
क्राईम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकंप	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान कॉल सेंटर	1098
नागरिक कॉल सेंटर	155300

शोषण मुक्त समाज का दिया संदेश

परशुराम सेना के कार्यकारी अध्यक्ष सुधीर शर्मा का जन्मदिन मनाया

अनोखा तीर, हरदा। परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष (कार्यकारी) सुधीर शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर शोषण मुक्त समाज का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सामाजिक समरसता एवं न्यायपूर्ण व्यवस्था के निर्माण का संकल्प व्यक्त किया गया। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला हरदा परिवार की ओर से जौहरी कमल सोनी, अशोक पाराशर, सत्यनारायण दोगने, जगदीश विश्वकर्मा, मनोज महलवाल, प्रोफेसर एल.एन. पाराशर, दिनेश शर्मा, नानकराम मुकाती, जगदीश पाटिल, सुरेंद्र कौर, मोहनलाल सोनी, जय नारायण गौर, रामशंकर बुनकर, रितेश भावसार एवं ओमप्रकाश जाट ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति ओमप्रकाश पिपलदे निवासी ग्राम झुंडगांव, पंचायत कुकरावत, तह. जिला-हरदा म.प्र. का निधन 17/ 01/ 2026 को हो गया है। उनके नाम से वाहन क्रमांक MP47 ZC8606 एवं MP47 MD4766 है। जिसे मेरे नाम से परिवहन विभाग में स्थानांतरण होना है। जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो मय प्रमाण पत्र सूचना प्रकाशन के 7 दिन के अंदर आर.टी.ओ. कार्यालय हरदा में प्रस्तुत करें।

श्रीमती शिवकुमारी गुर्जर पति स्व. ओमप्रकाश पिपलदे, ग्राम झुंडगांव, जिला-हरदा (म.प्र.)

कबड्डी प्रतियोगिता 26 फरवरी को

अनोखा तीर, हरदा। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत जिले में पारम्परिक खेलों को प्रोत्साहित किए जाने के उद्देश्य से शासन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार 26 फरवरी 2026 को प्रात: 10 बजे से नेहरू स्टेडियम हरदा में 'कबड्डी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया है। जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रतियोगिता में जिला स्तरीय विजेता टीम को प्रथम पुरूस्कार राशि 21 हजार रूपये, द्वितीय पुरूस्कार राशि 11 हजार रूपये एवं तृतीय पुरूस्कार के रूप में 5100 रूपये की राशि तथा सांत्वना पुरूस्कार के रूप में 1100 रूपये के तीन पुरूस्कार प्रदान किए जाएंगे।

कार्यालय वनमण्डल अधिकारी वनमंडल हरदा (उत्पादन) म.प्र.

Ph. No. 07577-222025 Fax No. 07577-222025 E Mail-dfopharda@mp.gov.in

क्रमांक/स्थापना/2026/1559 हरदा, दिनांक 19/02/2026

// जाहिर सूचना पत्र //

श्री राममनोहर उईके लेखापाल निवासी- सोहागपुर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के पीछे तहसील सोहागपुर जिला नर्मदापुरम के विरूद्ध संस्थित विभागीय जांच के सबंध में।

जाहिर सूचना पत्र

मुख्य वनसंरक्षक नर्मदापुरम वन वृत्त नर्मदापुरम के आदेश क्रमांक/प्रशासन/31 नर्मदापुरम, दिनांक 24-03-2025 द्वारा श्री राममनोहर उईके लेखापाल तत्कालीन स्थापना शाखा प्रभारी वनमंडल (सामान्य) नर्मदापुरम के विरूद्ध विभागीय जांच संस्थित की गई हैं। उक्त विभागीय जांच में अपने बचाव में जिन व्यक्तियों के बयान दर्ज कराना चाहते हैं उन व्यक्तियों का पूरा नाम एवं पता लिखित में प्रस्तुत करने हेतु कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स्थापना/2025/11701 दिनांक 30.12.2025 द्वारा सूचना पत्र जारी किया गया था। परन्तु उनके द्वारा बचाव साक्ष्यों हेतु व्यक्तियों की जानकारी उपलब्ध नहीं करायी गई।

अतः श्री राममनोहर उईके लेखापाल निवासी सोहागपुर जिला नर्मदापुरम को इस जाहिर सूचना के माध्यम से अंतिम अवसर प्रदान करते हुये पुनः सूचित किया जाता हैं कि बचाव साक्ष्यों के बयान दर्ज कराने हेतु निर्धारित तिथि 27.02.2026 के एक सप्ताह पूर्व उन व्यक्तियों का पूरा नाम एवं पता लिखित में प्रस्तुत कर बचाव साक्ष्यों के साथ बयान दर्ज कराने हेतु उक्त निर्धारित तिथि को प्रातः 12.00 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें।

(नरेन्द्र पण्डवा, भा.व.से.)
जाँचकर्ता अधिकारी
वनमंडलाधिकारी
वनमंडल हरदा (उत्पादन)

जी-26419/25

● "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

कार्यालय नगर पालिका परिषद्, हरदा जिला-हरदा (म.प्र.)

Email-cmoharda@mpurban.gov.in Conn. 07577-222238
https://nagarpalikaharda.org Toll free No. 18002331353

क्रमांक 1060/लो.नि./2026 हरदा, दिनांक 23/02/2026

(नियम 91 (1) (क) (11)
ई-नगर पालिका आमंत्रण सूचना का प्रारूप
मध्यप्रदेश शासन
नगर पालिका का नाम - नगर पालिका परिषद हरदा

एन.आई.टी. संख्या 4917/ई-टेण्डरिंग

निम्नलिखित निर्माण/आपूर्ति/सेवाओं के लिए निविदा मापदंडों को पूरा करने वाले ठेकेदारों/ कंसल्टेंट्स और ख्याति प्राप्त फर्म्स से ऑनलाईन बोली आमंत्रित है-

क्र.सं./पैकेज	निर्माण कार्य/आपूर्तियाँ/सेवाऐं	जिला	संभावित राशि	समापन अवधि
2026_UAD_483442_1	1. गिट्टी काली 10, MM 2. गिट्टी काली 20, MM	हरदा	25 लाख	31 मार्च 2027

1. इच्छुक बोलीदाता वेबसाईट पर एनआईटी देख सकता है www.mptenders.gov.in
2. बोली दस्तावेज सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर टेंडर क्रं. 1. 2026_UAD_483442_1 से 20/03/2026 समय 05:30 बजे तक
3. एनआईटी में संशोधन यदि कोई होता है तो केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नहीं।
4. किसी भी स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो तो कृपया श्री अरूण पर्ते उपयंत्री मोबाईल नं. 8827416868 पर संपर्क करें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद हरदा

-निलेश कौशल (अधिवक्ता)
हरसूद जिला खंडवा

एआई समिट में अर्धनग्न प्रदर्शन विश्व में भारत की छवि धूमिल करने वाला

वर्तमान तकनीकि युग में जब विश्व तकनीकि ज्ञान का उपयोग कर नित नवीन उपलब्धि अर्जित कर रहा है। तकनीकि युग में एक नए अविष्कार आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) कृत्रिम बुद्धिमता का उपयोग आज मशीनों को इंसानो तरह सोचने समझने एवं कार्य करने के लिए किया जा रहा हैं। आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) का उपयोग आज कही प्रकार की समास्याओं के समाधान के लिए किया जा रहा है।

भारत मंडपम दिल्ली में आयोजित AI IMPACT SUMIT-2026 वैश्विक आयोजन के मंच पर प्रसिद्ध चेहरों की उपस्थिति भारत के बड़ते प्रभाव का प्रमाण हैं। जिस प्रकार से समुद्र मंथन से समाज के उत्थान के कही रत्न प्राप्त हुए थे उसी प्रकार भारत मंडपम में आयोजित हुए इस आयोजन के मंथन से भारत एवं आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) कृत्रिम बुद्धिमता के क्षेत्र में कार्य करने वालों को बहुत कुछ प्राप्त हुआ हैं। आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) के क्षेत्र में इस आयोजन से पूर्व अमेरिका एवं चीन का प्रभुत्व माना जाता था लेकिन इस आयोजन ने प्रमाणित किया हैं कि भारत तेजी से तीसरे राष्ट्र के रुप में इस तकनीक का उपयोग करने वाले राष्ट्र के रुप में विकसीत हो रहा हैं। आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) के आयोजन से विश्व समुदाय के समक्ष यह संदेश गया हैं कि भारत अब इस तकनीक के उपयोग में तीसरे राष्ट्र के रुप में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा रहा हैं।

वर्तमान तकनीकि युग में जब विश्व तकनीकि ज्ञान का उपयोग कर नित नवीन उपलब्धि अर्जित कर रहा है। तकनीकि युग में एक नए अविष्कार आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) कृत्रिम बुद्धिमता का उपयोग आज मशीनों को इंसानो तरह सोचने समझने एवं कार्य करने के लिए किया जा रहा हैं। आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) का उपयोग आज कही प्रकार की समास्याओं के समाधान के लिए किया जा रहा है। आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) का उपयोग सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में किया जा रहा हैं।

आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) का उपयोग कर आज डॉक्टर मरीज की बीमारी का पता लगा रहे हैं तो वही दूसरी तरफ रोबोटिक सर्जरी के द्वारा जटिल से जटिल बीमारी का इलाज जटिल आपरेशन रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से किए जा रहे है। आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) का उपयोग कर विशेषज्ञ की तरह मरीज की बीमारी का पता लगाया जा रहा हैं। वही दूसरी तरफ आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) का उपयोग फोटो एवं विडियोंग्राफी में कर इस तकनीक के उपयोग सुगमता से किया जाकर जो लोग वर्षो पूर्व इस संसार को त्याग चुके हैं उन्हें उनके परिजन से मिलवाने का कार्य इस तकनीक में दक्ष लोगों के द्वारा उनके व्यवसाय में किया जा रहा हैं।

आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) के बढ़ते उपयोग के कारण आज इस तकनीक की स्वीकार्यता विश्व समुदाय में बड़ी हैं। आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) का उपयोग वैश्विक स्तर पर किया जा रहा हैं। वैश्विक स्तर पर आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) की बड़ती भागीदारी के चलते भारत में हालिया भारत मंडपम दिल्ली में (आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) शिखर सम्मेलन AI IMPACT SUMIT-2026 वैश्विक आयोजन भारत के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। इस वैश्विक सम्मेलन में विश्व समुदाय में उद्योग, तकनीकि विशेषज्ञ, विश्व मे नीतियों का निर्माण करने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया था। AAI IMPACT SUMIT-2026 की मेजबानी करने का सौभाग्य भारत को प्राप्त होना विश्व समुदाय में भारत के बड़ते प्रभाव को दर्शाता हैं।

भारत द्वारा आयोजित इस समिट में सहभागिता करने के लिए 80 देशों के प्रतिनिधी एवं 20 राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्षों भारत आए थे। दिल्ली में आयोजित इस समिट में भारत सहित विश्व के उज्जवल भविष्य के लिए मंथन करने के लिए तकनीकि क्षेत्र में कार्य करने वाली प्रतिष्ठित कंपनीयों के प्रमुख उपस्थित हुए जिसमें प्रमुख रुप से गुगल के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपनएआई के सैम आल्टमैन एवं एंथ्रोपिक कंपनी के डारियो अमोदेई भी इस सम्मेलन में उपस्थित हुए थे। इन प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति विश्व की राजनीति, व्यापार एवं व्यवसाय व तकनीकि क्षेत्र में भारत के बड़तें प्रभाव का प्रमाण हैं। इस सम्मेलन से भारत की भूमि को इस समिट से भविष्य के लिए नीतियों का निर्माण करने में सहायता प्राप्त होती। इस समिट में दुनियाभर के प्रतिनिधियों के आने से भविष्य में भारत के लिए विदेशी निवेश, तकनीकि दक्षता स्थापित करने, विश्व स्तर पर नवीन नीति तैयार करने में भारत अपनी उपस्थिति प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकता था।

भारत मंडपम में आयोजित इस समिट में उपस्थित तकनीकि क्षेत्र में कार्य करने वाली कंपनीयों ने समिट के दौरान निवेश कर

विश्व के निवेशकों ने इंफ्रास्टक्चर में 250 अरब डालर से अधिक के निवेश के लिए भरोसा दिलाया हैं। डीप टेक जैसी अत्याआधुनिक तकनीक के लिए 20 अरब डालर की बैंचर कैपिटल के वादे से इस समिट की उपयोगिता सिद्ध हुई हैं। भारत मंडपम में आयोजित इस समिट में आईटी के क्षेत्र में कार्य करने वाली वैश्विक कंपनीयों ओपन एआई, एंथ्रोपिक, एनवीडिया, एएमडी, आइबीएम, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आदि तथा इंफोसिस, टीसीएस, लार्सन एंड टुब्रो, आदि प्रमुख भारतीय कंपनीयों एवं राज्य सरकारों के मध्य भागीदारी समझौते से इस समिट की प्रासंगिकता सिद्ध हुई हैं। भारत मंडपम में आयोजित इस समिट से भारत को क्या मिला इस पर विचार किया जावे तो भारत ने इस समिट में अहम उपलब्धि प्राप्त की हैं। समिट के दौरान भारत को पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल किया जाना। अमेरिका के नेतृत्व में बने इस संगठन में ब्रिटेन, जापान, आस्ट्रेलिया, ताईवान जैसे देश पूर्व से शामिल हैं। पैक्स सिलिका ऐसा मंच हैं जो एआई चिप्स एवं तकनीकि आपूर्ति की सुरक्षा के लिए बनाया गया हैं। भारत का इस मंच में शामिल होना प्रमाणित करता हैं कि विश्व समुदाय के देश विशेषकर अमेरिका भारत को तकनीकि एवं एआई में भारत को एक विश्वसनीय साझेदार मानते हैं। भारत का इस मंच का सदस्य बनना हम सबके लिए गर्व करने वाला विषय हो सकता हैं।

भारत मंडपम में आयोजित इस समिट से भविष्य में भारत को विकासशील राष्ट्र से निकालकर विकसीत राष्ट्र की श्रेणी में स्थापित करने में सहायता प्राप्त होती। समिट से भारत के युवाओं के लिए अवसर की उपलब्ध होते समिट में सहभाग करने आए वैश्विक प्रतिनिधियों से वैश्विक संबंध मजबूत करने का अवसर इस समिट के माध्यम से भारत को प्राप्त होने वाले थे। समिट के माध्यम से किसी भी देश को अपनी दक्षता विश्व के सामने प्रस्तुत करने का अवसर था। भारत के लिए यह गर्व का विषय था कि विश्व स्तरीय इस समिट को करने के लिए भारत को अवसर प्राप्त हुआ था।

भारत द्वारा आयोजित इस समिट से जहाँ भारत विश्व समुदाय के समक्ष अपना भविष्य का विजन प्रस्तुत करता वही विश्व के कही नवाचारों से अवगत होने का अवसर इस समिट में भारत प्राप्त हुआ हैं। जहाँ एक तरफ विकासशील राष्ट्र की श्रेणी से निकालकर विकसित राष्ट्र की श्रेणी में खड़े होने के लिए भारत की सरकार एवं प्रशासनिक वर्ग के द्वारा दिनरात कड़ी मेहनत की जा रही हैं। वही दूसरी और भारत का विपक्ष जिसके ऊपर यह जिम्मेदारी हैं कि वह भारत के राजनयिकों एवं भारत सरकार की नीतियों का समर्थन कर विश्व समुदाय के समक्ष यह संदेश देता था कि विपक्ष होने के नाते भारत की आंतरिक व्यवस्था एवं नीतियों से उसका वैचारिक मतभेद हो सकता हैं लेकिन जब वैश्विक मंच पर भारत के प्रतिनिधित्व की बात आएगी भारत का विपक्ष भारत की सरकार के साथ खड़ा रहेगा। लेकिन अफसोस की बात हैं कि भारत के विपक्ष के नेता कही बार वैश्विक मंच पर भारत की छवि को धूमिल करते नजर आए हैं।

भारत के विपक्षी दल कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी उनकी विदेश यात्राओं दौरान सार्वजनिक रुप से भारत की छवि को धूमिल करने वाले बयानों को देकर सुर्खियों में रहे हैं। भारत के विपक्षी दलों का यह समझना होगा कि वैश्विक मंच स्थानीय राजनैतिक मतभेदों का प्रदर्शित करने का मंच नही हैं। वैश्विक मंच पर देश की नीतियो की आलोचना करने का मतलब हैं अपने देश के द्वारा निर्मित नितियों पर अविश्वास प्रकट करना हैं। भारत का विपक्ष अपने राजनैतिक स्वार्थ की सिद्धि के लिए वैश्विक मंच पर भारत की आलोचना कर भारत की कुटनीतिक नीतियों की छवि को धूमिल करने का कार्य कर रहे हैं। वैयिवक मंच पर देश की नीतियों को लेंकर चर्चा होती हैं विश्व समुदाय की नजरे देश की नीतियो पर रहती हैं। तब देश में कार्य करने वाले दलों के प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा रहती हैं कि वह देश का हित सर्वोच्च स्थान पर रखे। लेकिन भारत के विपक्ष का आचरण देखकर लगता है कि राष्ट्रीय हित और राष्ट्रीय नीतियों से कोई सरोकार नही हैं। भारत के विपक्षी दल कांग्रेस को यह समझना होगा कि वैश्विक मंच पर उसके नेताओ और कार्यकर्ताओं के द्वारा किया गया कार्य और उनके द्वारा दिया गया बयान मायने रखता हैं। विपक्ष के द्वारा वैश्विक मंच पर सरकार की आलोचना करना केवल सरकार की आलोचना नही हैं अपितू संपूर्ण राष्ट्र एवं देश की आलोचना होता हैं।

कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं के द्वारा भारत मंडपम दिल्ली में आयोजित (आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्सी (एआई) शिखर सम्मेलन AI IMPACT SUMIT-2026 वैश्विक आयोजन में अर्धनग्न प्रदर्शन करने से वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा उसकी कूटनीति के विपरीत किया गया आचरण कृत्य हैं। कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं के द्वारा जिस प्रकार पंजीयन कराकर समिट में प्रवेश किया गया हैं उससे यह प्रतित होता हैं कि कांग्रेस सोची समझी साजिश एवं रणनीति के तहत वैश्विक मंचो पर राजनैतिक मतभेदों को प्रस्तुत कर राष्ट्रहित के विपरीत कार्य कर भारत की छवि को धूमिल करने का कार्य कर रही हैं।

विशेष लेख...

किसान कल्याण वर्ष में कृषि उत्पादन बढ़ेगा, किसान होंगे खुशहाल

-बृजेन्द्र शर्मा, सहायक संचालक
(जनसम्पर्क) खण्डवा

मध्य प्रदेश सरकार ने कृषक कल्याण को हमेशा से ही अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता माना है। इसीलिए प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने दृष्टिकोण में स्पष्ट किया है कि किसान ही राष्ट्र की रीढ़ हैं, और कृषि क्षेत्र का आधुनिकीकरण तथा किसानों की आय में वृद्धि ही आत्मनिर्भर भारत का आधार है। इसी राष्ट्रीय संकल्पना को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने कृषि को विकास की धुरी बनाते हुए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं।

मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि आधारित है। राज्य के उच्च सकल मूल्य वर्धन में कृषि का योगदान वर्ष 2011-12 में 30 प्रतिशत था, जो कि वर्ष 2024-25 में बढ़कर 41 प्रतिशत हो गया है। प्रदेश के सिंचित क्षेत्र में वर्ष 2015-16 से 2024-25 के बीच 46 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सिंचाई क्षेत्र में निवेश वृद्धि के परिणामस्वरूप सकल बोए गये क्षेत्र के साथ-साथ, फसल की उत्पादकता में वृद्धि हुई है। दृष्टिपत्र वर्ष-2047 में एक ऐसे मध्यप्रदेश की कल्पना की गई है, जहाँ एक ऐसा अत्याधुनिक नवाचार से चलित, सतत और समावेशी आर्थिक प्रगति का समृद्ध प्रदेश हो; एक ऐसा संपन्न मध्यप्रदेश जहाँ कृषि उत्पादन और प्रसंस्करण से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिले; एक सुखद मध्यप्रदेश जहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढाँचे के साथ-साथ कृषि आधारित रोजगार अवसरों का विस्तार हो; और एक सांस्कृतिक मध्यप्रदेश जहाँ हमारी पारंपरिक खेती, प्राकृतिक कृषि और देशी पशुपालन हमारी पहचान को और मजबूत करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कई अवसरों पर कहा है कि कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की आत्मा है। राज्य की समृद्धि तभी संभव है जब हमारे कृषक समृद्ध हो। इसी दृष्टि से वित्तीय वर्ष 2026-27 का कृषि बजट तैयार किया गया है, जो उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि, आदान व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, उपज के बेहतर मूल्य की सुनिश्चितता तथा कृषकों के लिए सुरक्षा चक्र की स्थापना जैसे 4 प्रमुख फोकस क्षेत्रों पर केंद्रित है।

उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि- प्रदेश सरकार ने सिंचाई व्यवस्था को विस्तार देने के लिए नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, जल संसाधन विभाग तथा अन्य विभागों के अंतर्गत किए जा रहे भू-संरक्षण कार्यों में व्यापक निवेश किया है। सिंचाई के लिए विद्युत आपूर्ति का निश्चित समय, कृषि फीडर एवं नवीन ट्रांसफार्मर स्थापना, सौर ऊर्जा पम्पों का प्रावधान तथा लघु सिंचाई उपकरणों की उपलब्धता से कृषकों को उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहूलियत बनी है। खेत से गाँव और गाँव से बाज़ार का मार्ग सुगम होने से कृषि उपज को बेहतर दाम प्राप्त होते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना, ग्रामीण क्षेत्रों में पुलों का निर्माण, अन्य विभागों द्वारा निर्मित सड़कें, विपणन व्यवस्था सुदृढ़ कर रही हैं।

प्रदेश में परंपरागत एवं आधुनिक कृषि का सराहनीय सामंजस्य स्थापित हो रहा है। एक ओर मध्य प्रदेश एग्री स्टेक क्रियान्वयित करने वाला अग्रणी राज्य है, वहीं दूसरी ओर रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बिना, गोबर, गौमूत्र जैसे स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर प्राकृतिक कृषि को प्रोत्साहित किया जा रहा है। एग्री स्टेक के अंतर्गत एकीकृत डेटाबेस तैयार किया गया है जिसमें आधार से जुड़ी डिजिटल आईडी, भू-अभिलेख, फसल की जानकारी और बीमा विवरण को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य सरकारी योजनाओं को पारदर्शी बनाना, ऋण तक आसान पहुंच और स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देना है। उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि संबद्ध गतिविधियों हेतु वर्ष 2026-27 हेतु राशि रुपए 28,158 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

आदान व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण- मध्य प्रदेश में एक मजबूत कृषि वित्त प्रणाली है, जहां 2024-25 में कुल ऋणों में कृषि ऋण का हिस्सा 30 प्रतिशत है, जो कि राष्ट्रीय औसत से अधिक है। राज्य में लगभग 74 लाख किसान क्रेडिट कार्ड, पशुपालन एवं मछुआ क्रेडिट कार्ड पर शून्य ब्याज दर पर दी जा रही अल्पकालिक ऋण सुविधा एक क्रांतिकारी कदम है। सहकारिता एवं अन्य बैंक के माध्यम से दिए जा रहे अन्य कृषि आदान जैसे खाद, बीज एवं उन्नत कृषि उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु अग्रिम भण्डारण तथा हाइब्रिड बीज वितरण की व्यवस्था की गई है।

उपज के बेहतर मूल्य की सुनिश्चितता- कृषि आय में वृद्धि के लिए उपज को सही समय एवं सही दाम आधारित विपणन सुविधा उपलब्ध कराना अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश में स्थापित सार्वजनिक उपार्जन प्रणाली यह सुनिश्चित करती है कि किसानों को बाजार

तक आसानी से पहुंच मिले और वे बाजार की अनिश्चितताओं से सुरक्षित रहें। वर्ष 2024-25 रबी सीजन में, प्रदेश में लगभग 48.38 लाख मीट्रिक टन गेहूँ की खरीद हुई। गेहूँ के अलावा धान, सोयाबीन, कोदो-कुटकी, चना, उड़द एवं मसूर जैसी फसलों के उपार्जन हेतु विशेष प्रावधान किए गए हैं। भावांतर योजना, बोनस राशि, मंडियों में सुविधाओं का विस्तार तथा फार्म गेट पोर्टल जैसी व्यवस्थाएँ कृषकों को बाजार से जोड़ने में सहायक होंगी। खाद्य प्रसंस्करण एवं कृषि आधारित मार्केट प्लेस से मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा। राज्य में खाद्य प्रसंस्करण क्षमता को बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे, परिवहन, गोदाम और कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था को निरंतर सुदृढ किया जा रहा है।

कृषकों के लिए सुरक्षा चक्र की स्थापना- पिछले कुछ वर्षों में माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारे देश के कृषि सेक्टर में व्यापक परिवर्तन आए हैं जो बीज से बाजार तक की फिलॉसफी पर आधारित हैं। किसान, मछुआरे और पशुपालक हमारी कृषि की वृद्धि गाथा में महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं। कृषकों को आय सुरक्षा एवं जोखिम प्रबंधन हेतु प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, फसल बीमा योजना तथा एसडीआरएफ के अंतर्गत राहत राशि का प्रावधान किया गया है। वन्य जीवों द्वारा फसल क्षति की स्थिति में भी राहत राशि उपलब्ध कराई जाएगी। यह सुरक्षा चक्र कृषकों को आत्मविश्वास प्रदान करेगा। यह बजट केवल वार्षिक प्रावधान नहीं है, बल्कि समृद्ध मध्यप्रदेश/2047 दृष्टि पत्र की भावना से प्रेरित एक दीर्घकालिक रोडमैप का हिस्सा है। इस विज़न में कृषि को राज्य की समग्र प्रगति का आधार स्तंभ माना गया है। कृषि बजट मध्यप्रदेश को कृषि के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के मुख्यमंत्री जी के संकल्प का प्रतिविंब है।

पुण्यतिथि: 26 फरवरी

सामाजिक क्रान्तिदूत, स्वातंर्त्य वीर विनायक दामोदर सावरकर

अंडमान की सेल्यूलर जेल में उन पर क्या-क्या जुल्म नहीं ढाए गए। अंग्रेज तो यही समझते थे कि वे कालापानी से जीवित न लौट सकेंगे। जब आयरिश जेलर ने उनसे कहा कि मिस्टर सावरकर! क्या तुम इतने दिनों तक जीवित रहोगे? उस दृढ़वादी ने तत्क्षण उत्तर दिया मैं तो जिंदा रहूंगा ही और इन्हीं आंखों से ही देखूंगा कि हिन्दुस्तान से तब तक ब्रिटिश साम्राज्य का खात्मा हो चुका होगा। कैसा था उनमें प्रचण्ड आत्म विश्वास और दृढ़ इच्छा की संकल्प शक्ति। मानो वे उसके साक्षात मूर्ति ही हों।

-प्रताप नारायण मिश्र

महापुरुष कभी नहीं मरा करते। वे मरने के बाद भी जिंदा रहते हैं। उनके विचार, आचरण, कार्य और कृतियां उन्हें इतिहास में सदैव-सदैव के लिए अमर कर देती है। उनका जीवन एक प्रकाशस्तम्भ के समान जन-जन को सही दिशा का मार्ग प्रशस्त करता है। ऐसे ही एक महापुरुषों में से थे- स्वातंर्त्य वीर विनायक दामोदर सावरकर। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक अप्रतिम योद्धा ही नहीं थे अपितु उनके रग-रग में प्रखर हिन्दुत्व का भाव भी समाया हुआ था। साहस, निर्भीकता, दूरदर्शिता, प्रचण्ड आत्मविश्वास अनुशासन व सिद्धांतप्रियता का ऐसा अद्भुत संगम विरले ही पुरुषों में मिलता है। हिन्दू जीवन मूल्य व सामाजिक समता पर आधारित जाति, भाषा, पंथ, भेदभाव सहित-समाज, रचना के वे प्रबल समर्थक थे। ओजस्वी वक्ता और हृदय के तार-तार को झंकृत कर देने वाली लेखनी के धनी तो वे थे ही।

विश्व में एकमात्र व्यक्ति जिन्हें दो जन्मों का आजन्म कारावास- अंग्रेजों ने सन् 1910 में उन्हें दो जन्मों अर्थात् 55 वर्षों का आजन्म कालापानी का दण्ड दिया। सम्भवतः आजादी के लिए सर्वस्व होम करने वाले तथा दो जन्मों का आजीवन कारावास पाने वाले विश्व के एक वह मात्र नरपुरुष थे। अंडमान की सेल्यूलर जेल में उन पर क्या-क्या जुल्म नहीं ढाए गए। अंग्रेज तो यही समझते थे कि वे कालापानी से जीवित न लौट सकेंगे। जब आयरिश जेलर ने उनसे कहा कि मिस्टर सावरकर! क्या तुम इतने दिनों तक जीवित रहोगे? उस दृढ़वादी ने तत्क्षण उत्तर दिया मैं तो जिंदा रहूंगा ही और इन्हीं आंखों से ही देखूंगा कि हिन्दुस्तान से तब तक ब्रिटिश साम्राज्य का खात्मा हो चुका होगा। कैसा था उनमें प्रचण्ड आत्म विश्वास और दृढ़ इच्छा की संकल्प शक्ति। मानो वे उसके साक्षात मूर्ति ही हों।

संसार ने देखा इस घटना के 37 वर्षों में ही अंग्रेजों को भारत की पवित्र भूमि से अपना बोरिया बिस्तर बांधकर जाना पड़ा।

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत- इधर देश के अन्दर श्री सावरकर जी को पुनः हिन्दुस्तान वापस लाने के लिए जनमानस उद्वैलित हो उठा। अंग्रेजों को देश विदेश के प्रबल दबाव के कारण बाध्य होकर उन्हें देश की धरती पर पुनः लाना पड़ा। सन् 1923 में कलकत्ता बन्दरगाह पर स्वदेश की भूमि पर उनके चरण पड़े। एक वर्ष अलीपुर जेल में बन्द रहकर सन् 1924 में रत्नागिरि लाकर उन्हें नजरबन्द कर दिया गया। सन् 1937 तक कांग्रेस मंत्रिमंडल बनने तक वे वहां नजरबंद रहे। अंग्रेज सरकार समझती थी कि काला पानी की यातनाओं में यह वीर टूट चुका होगा। इस परिस्थिति में उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाकर उन्हें अकर्मण्य बनाकर देश धर्म से अलग कर देंगे। कठिन परिस्थितियों में भी देशहित के अनुकूल मार्ग निकालकर अपनी शक्तियों का सदुपयोग करना, यह उनका अपना वैशिष्ठ्य था। नजरबन्दी के 13 वर्ष के लम्बे कालखण्ड में उन्होंने सामाजिक क्रांति की ओर अपने को उन्मुख कर, उसके अग्रदूत बने।

वीर विनायक सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को हुआ था। उनके क्रांतिकारी जीवन, देश की स्वतंत्रता के लिए समाज में चेतना, बलिदान का भाव जगाने तथा उनके सशस्त्र संघर्ष के प्रयास एवं ब्रिटिश साम्राज्य की जड़ों को हिला देने वाले उनके ज्वलन्त व्यक्तित्व पर काफी कुछ लिखा जा चुका है। इसके अतिरिक्त उनके जीवन का एक पक्ष और भी है। वह है हिन्दू समाज में सामाजिक समता स्थापित करने की उनकी सामाजिक क्रान्ति। हिन्दू समाज की वर्तमान परिस्थितियों के संदर्भ में उनके जीवन के उस पक्ष पर कुछ प्रकाश डालना अधिक समीचीन होगा।

जाति-भेद, अस्पृश्यता सामाजिक कोढ़ - हिन्दू समाज ऊंच-नीच, रूढियों, भाषा, जाति भेद-भाव, परम्परागत कुसंस्कारों तथा अस्पृश्यता के कोढ़ में भयंकर रूप से ग्रस्त था। उन्होंने देखा उच्च वर्णीय कुलीन घरों में कुत्ते बिल्ली बेरोकटोक प्रवेश कर सकते हैं। चारपाई पर उनकी गोद में बैठकर उनको चूम चाट भी सकते हैं, फिर भी उनकी पवित्रता नष्ट नहीं होती किन्तु अपने समाज का ही एक वर्ग तथाकथित पिछड़े हरिजन, अस्पृश्य समझे जाते हैं, वे घरों में प्रवेश नहीं कर सकते। उन्हें स्पर्श करना तो अलग रहा उनकी परछाई मात्र से ही उनकी पवित्रता खंड़ित हो जाती है। उन्हें स्नान करना पड़ता है। उनके लिए अलग बस्तियां, अलग कुएं। वे सामाजिक कुओं पर पानी भी नहीं भर सकते, क्योंकि उनसे कुआं अपवित्र हो जाता है। हिन्दू समाज में कैसी है यह विडम्बना?

अच्छे अच्छे कर्मकांडी ब्राह्मण घरों में पिछड़े परिगणित बन्धु साग-सब्जी आदि आवश्यक वस्तुएं लाते हैं लेकिन उनका घर में प्रवेश करना तो दूर रहा उनके द्वारा लाई वस्तु भी तभी घर में प्रवेश कर सकती थी जबकि वह बाहर ही धुलवाई जाए। वर्षों तक इतना बड़ा सामाजिक अपमान सहन कर भी हिन्दू जीवन से नाता न तोड़ने वाले इन समाज तिरस्कृत बन्धुओं के प्रति घोर अन्याय देख उस महामानव का हृदय चीत्कार कर उठा।

ललकार कर कहो अस्पृश्यों को छुयेंगे - उन्होंने ललकार कर कहा केवल मन में निश्चय करें कि हम अस्पृश्य को छुयेंगे, कुत्ते को छूते हो, प्रतिदिन चूहे का खून चूसने वाली बिल्ली के साथ बैठकर एक ही थाली में खाते हो तो फिर हिन्दुओं! अपने ही जैसे इन समान बांधवों जो तुम्हारे ही राम और अन्य सभी देवताओं के उपासक हैं, उन्हें छूने में किस बात की शर्म लगती है? शपथ लेकर बोलो। छुऊंगा। सार्वजनिक समारोहों में उन्हें अपने पास बैठने दूंगा। यह उन्होंने उस समय कहा जब छुआछूत घर-घर में व्याप्त थी। रत्नागिरि में उन्होंने पतित पावन मंदिर बनवाया जिसमें हिन्दू-हिन्दू में परस्पर कोई भेदभाव नहीं था। अस्पृश्य सीना तानकर गर्व के साथ मंदिर में अर्चना करता, कहता कि राम हमारे हैं, हम उनके हैं। तथाकथित सवर्ण और अस्पृश्य बंधुओं का भगवान पतित-पावन के चरणों में बैठ साथ-साथ सहभोज होता। सम्पूर्ण महाराष्ट्र में झुनका भाखरी (एक प्रकार की रोटी बेसन) के सहभोज का आंदोलन चलाकर सावरकर ने इसे चरितार्थ किया।

किसी हिन्दू ने ईसाई या मुसलमान का छुआ अन्न खा लिया तो वह धर्म भ्रष्ट हो गया। करोड़ों समाज बंधु, इन्हीं रूढ़ियों के शिकार हो विधर्मियों की गोद में फैंक दिए गए। धर्म की यह विकृत कल्पना मूर्खता पूर्ण है, क्योंकि धर्म का स्थान हृदय है पेट नहीं। मुसलमानों का भोजन करने से हमारा धर्म नष्ट नहीं होता। अब हमें अगस्त्य के समान सक्षम तेजस्वी समाज की पाचन शक्ति को प्रदीप्त करना होगा, उन्होंने यह उद्घोष किया, समाज के करोड़ों बंधुओं के अन्दर से इस भ्रामक कल्पना को जड़ से निर्मूल कर अपने धर्म में पुनः वापिस लेकर। परिगणित बंधुओं को सामाजिक समता प्राप्ति करानी होगी। स्वामी श्रद्धानन्द जिस कार्य के लिए मजहबी उन्माद का शिकार बन शहीद हो गए। उनके द्वारा प्रणीत शुद्धि आंदोलन को सावरकर ने तेज गति प्रदान की। शुद्धि समारोहों के आयोजन किए। सामाजिक विकृति स्वरूप उत्पन्न सात बेड़ियों (जंजीरों) को तोड़ने का उन्होंने राष्ट्र को आह्वान किया। वे सात बेडियां जिनसे हिन्दू समाज जकड़ा हुआ था वे हैं - वेद पठन-पाठन बन्दी, समुद्र यात्रा बन्दी, शुद्धि बन्दी, रोटी बन्दी, संबंध बंदी। बिना भेद भाव के हिंदू मात्र के लिए वेदों का पठन-पाठन समाजोपयोगी है व्यवसाय नहीं। सभी का समान अधिकार हो।

अस्पृश्य-स्पृश्य के भेदभाव रहित समाज रचना करने, मंदिर में प्रवेश, परस्पर रोटी-बेटी संबंध, एक बार जो हिन्दू अन्यायपूर्वक छल कपट से धर्मान्तरित किया गया, उसे पुनः हिन्दू धर्म प्रवेश का उन्होंने अभियान चलाया।

किसी उच्च कुल में जन्म ले लेने मात्र से व्यक्ति को पूज्य या सिरहाने बैठने का हक मिल जाता है किन्तु उसे किसी को पैताने बैठने का भी अधिकार नहीं। यह अन्याय है। भारतीय शास्त्रानुसार जन्मना जाति व्यवस्था कभी नहीं थी वह कर्मणा थी। यदि ऐसा न होता तो सन्त वाल्मीकि, रैदास, तुकाराम आदि परगणित कुल में जन्म लेने के बाद भी ये महर्षि संत के रूप में क्यों पूजे जाते हैं? उच्च ब्राह्मणकुलोत्पन्न रावण राक्षस क्यों कहलाता? व्यक्ति अपने सुकर्मों व कुकर्मों से अच्छा व बुरा बनता है। महामानव सावरकर ने इन सामाजिक दोषों को दूर कर समाज को एक होने का आह्वान किया। आज भी उनके द्वारा चलाए गए कार्य को आगे बढ़ाने की अनिवार्य आवश्यकता है। दिनांक 26 फरवरी, 1966 है उस कालजयी के महाप्रयाण की पुण्य तिथि। इस जीवन का कार्य समाप्त हो गया यह आभास होने पर स्वेच्छा से अन्न जल त्याग कर, काल के समक्ष आत्मार्पण करने वाले वह एक अनोखे राष्ट्र पुरुष थे। आइये, उस तेज वीर राष्ट्रभक्त को स्मरण कर उनके ज्वलंत जीवन और कार्य से प्रेरणा लें, हम उनके द्वारा दिखाए मार्ग पर सतत आगे बढ़ते जाएं।

शिव महापुराण में गूंजा शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग,भावविभोर हुए श्रद्धालु

सच्ची भक्ति, धैर्य और संकल्प से भगवान को भी प्रसन्न कर सकता है भक्त : कथावाचक

अनोखा तीर, बड़वाह। नर्मदा रोड स्थित सत्कार ढाबे के पीछे होने वाले 108 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ एवं शिव महापुराण कथा के छठे दिवस शिव-पार्वती विवाह का बहुप्रतीक्षित प्रसंग हुआ। जिसका कथावाचक द्वारा भावपूर्ण तरीके से वाचन सुनाया। यह वही दिव्य प्रसंग है, जिसका श्रद्धालु लंबे समय से बेसब्री से इंतजार करते हैं। कथा के दौरान पांडाल में भक्ति और उल्लास का अद्भुत वातावरण बन गया। शिव विवाह का वर्णन होते ही भक्तजन भजन-कीर्तन पर झूमते, गाते और नृत्य करते नजर आए। पूरा परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा, जिससे माहौल और भी भक्तिमय हो गया। इसके पूर्व कथावाचक स्वामी रामकृष्ण दास जी महाराज ने शिव महापुराण के छठे दिवस पर पार्वती अवतरण का पावन प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि पूर्व जन्म में सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में अपमानित होकर देह त्याग दी थी। वही आदिशक्ति जगत कल्याण हेतु हिमालयराज और माता मैना के यहां पार्वती के रूप में अवतरित हुईं। बाल्यकाल से ही पार्वती का मन भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए समर्पित था। उन्होंने कठोर तप, उपवास और निरंतर शिव-आराधना कर देवताओं को भी चकित कर दिया। महाराज ने कहा कि पार्वती का अवतरण यह संदेश देता है कि सच्ची भक्ति, धैर्य और संकल्प से भक्त भगवान को भी प्रसन्न कर सकता है। इस अवसर पर शिव-पार्वती विवाह का दिव्य प्रसंग भी भावपूर्ण तरीके से वर्णित किया गया। कथावाचक ने बताया कि पार्वती की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें स्वीकार किया। हिमालय के आंगन में देवताओं, ऋषियों और गंधर्वों की उपस्थिति में यह अलौकिक विवाह संपन्न हुआ। शिवजी की अनोखी बारात और उनका विरक्त स्वरूप देखकर सभी आश्चर्यचकित हुए, किंतु पार्वती ने उन्हें सच्चे रूप में पहचान कर वरण किया। महाराज ने कहा कि यह विवाह शिव और शक्ति, प्रकृति और पुरुष के पवित्र मिलन का प्रतीक है, जो संसार को संतुलन और कल्याण का संदेश देता है।

काशी की तर्ज पर नर्मदा जी की आरती

आयोजन के चलते शाम 7 बजे काशी गंगा जी कि आरती कि तर्ज पर नर्मदा जी कि आरती की गई। जिसमें सैकड़ों महिलाओं सहित भक्तों ने धर्म लाभ लिया। जिसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर अनेक यज्ञ आचार्य उपस्थित रहे।

शुक्ल पक्ष की नवमी रही अद्भुत संयोग

कथावाचक रामकृष्ण दास महाराज ने एक रोचक तथ्य बताया। उन्होंने कहा कि मां जगदंबा सती ने पार्वती के रूप में हिमालयराज के घर शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को अवतार लिया था। संयोगवश जिस दिन कथा में यह प्रसंग सुनाया गया, वह तिथि भी शुक्ल पक्ष की नवमी ही रही। इस अद्भुत संयोग को सुनकर पांडाल में उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और जयकारों से पांडाल गूंज उठा। महाराज ने इसे देवी कृपा का संकेत बताते हुए कहा कि ऐसी दिव्य तिथियां भक्तों के लिए विशेष पुण्यदायी होती हैं।

सार-समाचार

जिला अस्पताल में उपचार से युवक को मिला नया जीवन

अनोखा तीर, खंडवा। फेफड़ों की क्षय रोग से ग्रस्त हरदा जिले के ग्राम कमताड़ा निवासी 28 वर्षीय कमलेश पिता प्रेमलाल का हीमोग्लोबिन स्तर घटकर मात्र 1.7 ग्राम रह गया था। गंभीर स्थिति में परिजन उसे श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय सह नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय लेकर पहुंचे, जहां विशेषज्ञ

चिकित्सकों ने त्वरित उपचार शुरू किया। क्षय रोग विशेषज्ञ डॉ. नितिन कपूर ने स्वास्थ्य परीक्षण कर छाती का एक्स-रे सहित आवश्यक जांचें कराईं। स्थिति गंभीर पाते हुए उन्हें तत्काल भर्ती किया गया। उपचार दल में डॉ. संदीप परिहार, डॉ. स्नेह जनविदे और वैशाली चंदवानी शामिल रहीं। चिकित्सकों ने बताया कि मरीज को गंभीर रक्ताल्पता भी थी, जिसके चलते चार यूनिट रक्त चढ़ाया गया। लगातार 10 से 12 दिनों के उपचार के बाद कमलेश की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और हीमोग्लोबिन स्तर बढ़कर 8.1 ग्राम हो गया है। वर्तमान में वह अस्पताल में भर्ती रहकर उपचार ले रहा है। कमलेश ने चिकित्सकों और स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निःशुल्क जांच और उपचार से उसे नया जीवन मिला है।

हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की विशेषज्ञों ने की जांच

अनोखा तीर, खंडवा। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक माह की 9 एवं 25 तारीख को शासकीय अस्पतालों में

विशेष जांच शिविर आयोजित किए जाते हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओपी जुगतावत ने बताया कि बुधवार को जिले के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में 975 से अधिक हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण स्त्री रोग विशेषज्ञों एवं चिकित्सकों द्वारा किया गया। शिविरों में महिलाओं की परामर्श सेवा भी की गई तथा उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, पौष्टिक आहार लेने और शासकीय अस्पताल में प्रसव कराने की सलाह दी गई।

खालवा में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

अनोखा तीर, खंडवा। ग्राम पंचायत खालवा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खण्डवा के सचिव पियूष भावे की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता, न्यायालयीन प्रक्रिया, गिरफ्तारी की स्थिति में नागरिकों के अधिकार, यातायात नियम, हिट एंड रन योजना तथा पीड़ित प्रतिकर योजना की जानकारी दी गई। साथ ही विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं, साइबर अपराध से बचाव तथा सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श जैसे संवेदनशील विषयों पर सरल और प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

रॉयल निमाड़ ईगल्स के लिए 150 खिलाड़ियों के ट्रायल

अनोखा तीर, खंडवा। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (सिंधिया कप) 2026 के अंतर्गत डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय एवं आईसेक्ट समूह की पुरुष क्रिकेट टीम 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' के गठन हेतु जिमखाना क्रिकेट मैदान, सूरजकुंड में चयन ट्रायल आयोजित किए गए। ट्रायल में निमाड़

एवं आसपास के जिलों से लगभग 150 खिलाड़ियों ने भाग लेकर बल्लेबाजी, गेंदबाजी और विकेटकीपिंग में अपना दमखम दिखाया। सुबह से प्रारंभ हुए ट्रायल में खिलाड़ियों ने शारीरिक दक्षता अभ्यास, जाल अभ्यास और अभ्यास मैच के माध्यम से अपनी तकनीक और खेल समझ का प्रदर्शन किया। चयन समिति ने तकनीकी मापदंडों और खेल परिस्थितियों के आधार पर प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। आईसेक्ट समूह के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि निमाड़ क्षेत्र में प्रतिभा की कमी नहीं है। इन ट्रायल्स में खिलाड़ियों ने अनुशासन, समर्पण और प्रतिस्पर्धी भावना का परिचय दिया है। टीम का उद्देश्य खिलाड़ियों को दीर्घकालिक प्रशिक्षण और बेहतर अवसर प्रदान कर उन्हें राज्य व राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है।

हाईकोर्ट निर्देश के बाद शासन का फैसला

•चित्ते अब खरगोन में पदस्थ •बिना स्वीकृत पद पर पदस्थापना मामला सुलझा, नया आदेश जारी

अनोखा तीर, खरगोन। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 23 फरवरी 2026 को आदेश जारी कर स्वास्थ्य अधिकारी प्रकाश चित्ते को नगर पालिका परिषद खरगोन में पदस्थ करने का अंतिम निर्णय लिया है। यह निर्णय पूर्व के निरस्तीकरण आदेश को रद्द करते हुए लिया गया है।

- **पहले स्थानांतरण, फिर निरस्तीकरण** : 8 जून 2025 को विभागीय आदेश के तहत श्री चित्ते का स्थानांतरण नगर पालिका परिषद बड़वाह से खरगोन किया गया था। लेकिन 17 जून 2025 को दूसरा आदेश जारी कर यह स्थानांतरण निरस्त कर दिया गया और उन्हें पुन: बड़वाह में पदस्थ कर दिया गया।
- **हाईकोर्ट में याचिका, 30 दिन में निर्णय का निर्देश** : इस निरस्तीकरण आदेश के खिलाफ श्री चित्ते ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ में याचिका दायर की। न्यायालय ने 11 जुलाई 2025 को आदेश दिया कि सक्षम प्राधिकारी 30 दिनों के भीतर उनके लंबित अभ्यावेदन पर कानून अनुसार निर्णय लें।

विभागीय जांच में सामने आई महत्वपूर्ण तथ्य : संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास से प्राप्त

अभिमत में बताया गया कि बड़वाह में स्वास्थ्य अधिकारी का पद स्वीकृत ही नहीं है। खरगोन में यह पद स्वीकृत और रिक्त है। साथ ही सेंधवा, पीथमपुर, धार और बड़वानी में भी स्वीकृत पद उपलब्ध हैं। सभी तथ्यों, अभ्यावेदन और विभागीय अभिमत पर विचार करने के बाद शासन ने 17 जून 2025 का निरस्तीकरण आदेश रद्द कर दिया और प्रकाश चित्ते को यथावत खरगोन में पदस्थ करने का आदेश जारी कर दिया। इस आदेश के बाद प्रशासनिक हलकों में यह चर्चा है कि बिना स्वीकृत पद पर अधिकारी की पदस्थापना क्यों की गई थी। शासन के नए आदेश से अब स्थिति स्पष्ट हो गई है और लंबे समय से चल रहा स्थानांतरण विवाद समाप्त माना जा रहा है।

आज पदभार ग्रहण किया

इस निरस्तीकरण आदेश के खिलाफ श्री चित्ते ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ में याचिका दायर की और लगभग 8 माह तक कानूनी लड़ाई लड़ी। न्यायालय ने 11 जुलाई 2025 को आदेश देते हुए सक्षम प्राधिकारी को निर्देश दिया कि 30 दिनों के भीतर उनके लंबित अभ्यावेदन पर कानून अनुसार निर्णय लिया जाए। करीब आठ महीने तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद आखिरकार शासन का अंतिम आदेश आया और आज प्रकाश चित्ते ने खरगोन में पदभार संभाल लिया।

राजगढ़ में दूसरे दिन भी छाया निमाड़

अनोखा तीर, खंडवा। राजगढ में बुधवार को आयोजित कृषि मेले एवं प्रदर्शनी के दूसरे दिन निमाड़ की लोक संस्कृति की विशेष छटा देखने को मिली। प्रसिद्ध लोक कलाकार साधना उपाध्याय के दल ने मंच पर निमाड़ी लोक नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। अतिथियों और दर्शकों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की। दल के कलाकारों ने सिद्ध कर दिया कि यदि प्रस्तुति सशक्त और जीवंत हो तो गैर-निमाड़ी क्षेत्रों में भी लोक संस्कृति को भरपूर सम्मान और सराहना मिलती है। उल्लेखनीय है कि साधना उपाध्याय का गणगौर एवं लोक नृत्य दल पिछले 35 वर्षों से निरंतर निमाड़ के लोकगीतों और लोकसंस्कृति के प्रचार-प्रसार में सक्रिय है। दल द्वारा गणगौर सहित पांच सदाबहार पारंपरिक वीडियो सीडी भी तैयार की जा चुकी हैं, जो क्षेत्रीय संस्कृति को संरक्षित और प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्थाः सुनील जैन

अनोखा तीर, खंडवा। भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी एवं मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर भाजपा प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को ट्रेड डील का विरोध करने के बजाय मध्यप्रदेश के किसानों से कर्जमाफी के नाम पर किए गए वादाखिलाफी के लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ट्रेड डील का विरोध कर रही है। वर्ष 1956 में मध्यप्रदेश के गठन के बाद से लेकर 2002-03 तक, जब राज्य में कांग्रेस की सरकारें रहीं, तब सिंचाई का रकबा मात्र 7.5 लाख हेक्टेयर तक सीमित रहा, जबकि नदियां, खेत और संसाधन सब उपलब्ध थे। किसानों के साथ हुए इस अन्याय का परिणाम था कि कृषि विकास ठहरा रहा। इसके विपरीत पिछले वर्षों में हमारी सरकार ने सिंचाई क्षेत्र में ऐतिहासिक विस्तार किया है और अल्प अवधि में ही 10 लाख हेक्टेयर की वृद्धि कर यह सिद्ध किया है कि प्रतिबद्धता और नीति स्पष्ट हो तो परिणाम संभव हैं। सुनील जैन ने बताया कि आज भारत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरी आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है, यह सब किसान, गरीब और सभी वर्गों के कल्याण को केंद्र में रखकर लिए गए निर्णयों का परिणाम है। हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने लगभग सत्रह विभागों को जोड़कर किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत खेती को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। खेत से कारखाने तक, फसल से बागवानी तक और बागवानी से बाजार तक एक सशक्त वैल्यू चेन तैयार कर किसानों की आय बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। हम पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर कृषि आधारित व्यापक चर्चा के लिए भी तैयार हैं, क्योंकि हमारा लक्ष्य राजनीति नहीं, बल्कि किसान और प्रदेश की समृद्धि है। मंगलवार को मध्यप्रदेश सरकार की मंत्रि-परिषद् की बैठक संपन्न हुई। किसान कल्याण वर्ष का किसानों को अधिकतम लाभ दिलाने के लिए मंत्रि-परिषद् ने आज ही किसानों एवं कृषि से सम्बद्ध क्षेत्रों के विकास के लिए कार्य करीब 10500 करोड़ रुपए की लागत के पांच किसान हितैषी योजनाओं को अगले पांच साल तक निरंतर रखने को मंजूरी दी।

सौर ऊर्जा संयंत्र तकनीशियन प्रशिक्षण 4 मार्च से

अनोखा तीर, खंडवा। शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, खण्डवा में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत सौर ऊर्जा संयंत्र तकनीशियन का 2 से 3 माह का लघु अवधि प्रशिक्षण 4 मार्च से प्रारंभ होगा। प्रशिक्षण में युवाओं को सौर पैनल स्थापित करने संबंधी व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। संस्था के प्राचार्य अश्विन बमनका ने बताया कि प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद वर्तमान समय में रोजगार की पर्याप्त संभावनाएं उपलब्ध हैं। प्रशिक्षण हेतु नि:शुल्क पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रशिक्षण में सम्मिलित होने के लिए आवेदक का 10वीं उत्तीर्ण तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था अथवा पॉलिटेक्निक डिप्लोमा धारक होना आवश्यक है। आयु सीमा 18 से 45 वर्ष निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी कौशल भारत डिजिटल पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, सिहाड़ा रोड, खण्डवा में संपर्क किया जा सकता है।

पंधाना से मुनि विशोधसागर का मंगल विहार

अनोखा तीर, खंडवा। विशोधसागर का पंधाना से मंगल विहार होकर रात्रि विश्राम दयोदय तीर्थ बोरगांव खुर्द में हुआ। गुरुवार को उनकी आहार चर्या बोरगांव खुर्द में संपन्न होगी, जबकि शुक्रवार 27 फरवरी को प्रातः खण्डवा नगर में उनका मंगल प्रवेश होगा। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि आचार्य विद्यासागर से दीक्षित आचार्य आर्जवसागर के शिष्य मुनि विशोधसागर ने महाराष्ट्र के चिखली में वर्षायोग पूर्ण करने के बाद शाहपुर-बुरहानपुर मार्ग से मध्यप्रदेश में प्रवेश किया। विगत 20 दिनों से पंधाना में प्रवास के दौरान उन्होंने प्रवचनों के माध्यम से धर्म प्रभावना की तथा विश्व शांति और सर्वकल्याण की भावना से 64 रिद्धि मंडल विधान की संगीतमय पूजा संपन्न करवाई। बुधवार दोपहर 3 बजे उन्होंने पंधाना से खण्डवा के लिए विहार किया। मुनि सेवा समिति के प्रचार मंत्री सुनील जैन प्रेमांशु जैन ने बताया कि शुक्रवार प्रातः 8 बजे मानसिंग मिल चौराहे से मंगल प्रवेश शोभायात्रा प्रारंभ होगी, जो भगतसिंह चौक होते हुए बजरंग चौक स्थित महावीर जैन मंदिर पहुंचेगी। वहां मंगल प्रवचन होंगे तथा मुनि विशोधसागर संत निवास घासपुरा में विराजमान रहेंगे। धर्मप्रेमीजन गुरुवार को बोरगांव पहुंचकर आहार चर्या का लाभ लें तथा शुक्रवार को खण्डवा में मंगल अगवानी करें।

संकल्प से समाधान अभियान के शिविर आज

अनोखा तीर, खंडवा। नागरिकों को उनकी पात्रता अनुसार शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश में इन दिनों संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर गुप्ता ने बताया कि 26 फरवरी को पुनासा विकासखण्ड के ग्राम बांगरदा और बीड़ में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद 27 फरवरी को अटूटखास और नर्मदानगर तथा 28 फरवरी को पंधाना विकासखण्ड के सिंगोट और बोरगांव बुजुर्ग में शिविर लगाकर ग्रामीणों के आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। इसी अभियान के अंतर्गत बुधवार को पुनासा विकासखण्ड के ग्राम कोठी और मोहना में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर कुल 208 मरीजों का नि:शुल्क उपचार किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओपी जुगतावत ने बताया कि कोठी में 154 तथा मोहना में 54 मरीजों की जांच कर उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हीमोग्लोबिन और सिकलसेल की जांच के साथ दवाइयां वितरित की गईं। 19 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। ग्राम कोठी में आयोजित क्लस्टर स्तरीय शिविर में 2087 आवेदनों का निराकरण किया गया। लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाणपत्र वितरित किए गए तथा अंत्येष्टि सहायता योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। राजस्व विभाग ने खसरा–खतौनी की प्रतिलिपियां वितरित कीं और स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान कार्ड प्रदान किए। ग्राम मोहना में आयोजित शिविर में 2113 आवेदनों का निराकरण किया गया। लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाणपत्र वितरण के साथ संबल योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि स्वीकृत की गई। राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की गई। राजस्व विभाग द्वारा 187 खसरा–खतौनी नक्शों की प्रतिलिपियां दी गईं तथा स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान कार्ड बनाए। सहकारिता विभाग ने 22 पशुपालकों को पशुपालन ऋण पत्र वितरित किए।

भारतीय मजदूर संघ ने सौंपा ज्ञापन

अनोखा तीर, खंडवा। भारतीय मजदूर संघ द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के विरोध में विरोध दिवस मनाते हुए रैली निकाली गई और धरना-प्रदर्शन किया गया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रमिक,

विभिन्न यूनियनों के कर्मचारी तथा संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। ज्ञापन में औद्योगिक संबंध संहिता में श्रमिक हितों की सुरक्षा, त्रिपक्षीय समितियों का पुनर्गठन, योजना एवं संविदा कर्मियों का नियमितीकरण, ईपीएस-95 के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन 7500 रुपए प्रतिमाह करने, बैंकिंग क्षेत्र में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने तथा पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग शामिल की गई। इसके अतिरिक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के नियमितीकरण, मानदेय के समय पर भुगतान, सेवा निवृत्ति के बाद पेंशन, आकस्मिक मृत्यु पर आर्थिक सहायता, रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती एवं वेतन विसंगतियों के निराकरण की मांग भी रखी गई। सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर ने ज्ञापन प्राप्त कर उसे मुख्यमंत्री तक प्रेषित करने का आश्वासन दिया। जिला मंत्री प्रवीण शर्मा ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

राहुल गांधी और खड़गे के झूठ व अफवाहों में देश की जनता नहीं आने वालीः राजपाल सिंह तोमर

अनोखा तीर, खंडवा। भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी एवं मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर कहा कि कहा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। यह समझौता मध्यप्रदेश सहित देश भर के किसानों, युवाओं और उद्यमियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा। कांग्रेस ने वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश में किसान कर्जमाफी का वादा कर सरकार बनाई, लेकिन किसानों का कर्ज पूर्ण रूप से माफ नहीं किया। इसके विपरीत, अनेक किसानों को डिफॉल्टर की स्थिति में पहुंचा दिया गया।

श्री तोमर ने कहा भाजपा सरकार ने किसानों को उस स्थिति से बाहर निकालने का कार्य किया है। किसान चौपाल करने वाले राहुल गांधी बताएं दलहन में कौन सी फसलें होती हैं। कांग्रेस ने किसानों के साथ अन्याय किया, हमारी सरकार 365 दिन किसानों के लिए कार्य कर रही है।

काला हिरण शिकार मामला, 6 वनकर्मी निलंबित

- वन महकमे में फिर हड़कंप, काले हिरण के शिकार को बताया प्राकृतिक मौत

अनोखा तीर, सिवनी मालवा।

काले हिरन के शिकार मामले को लेकर सामान्य वनमंडल में एक बार फिर से हलचल मच गई है। इस बार एसडीओ से लेकर रेंजर सहित कुछ वन कर्मियों पर शामत आ गई है। मामला काले हिरन के शिकार का रहा है। जिसमें 5 वनकर्मियों सहित रेंजर के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। मामला इस प्रकार का है कि सिवनी मालवा वन परिक्षेत्र में फरीदपुर के समीप नहर के पास एक काले हिरन का शिकार हुआ था और स्थानीय वन महकमे ने इसे शिकार नहीं मानते हुए, पीएम रिपोर्ट के आधार पर घबराहट में हिरन की मौत होना बता दिया था। इस मामले में आधा दर्जन वनकर्मियों पर निलंबन की गाज गिर गई है। यह मामला शिकार का था जबकि इसे सामान्य मौत बता दिया गया था। जिसके बाद सामान्य वनमंडल नर्मदापुरम के सीसीएफ और डीएफओ ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए काले हिरण के शिकार प्रकरण में एक महीने बाद बड़ी कार्रवाई करते हुए रेंजर आशीष रावत सहित छह वनकर्मियों को निलंबित कर दिया है। घटना 21 जनवरी 2026 की है। विभागीय आदेश के अनुसार सिवनीमालवा रेंजर आशीष रावत, वनपाल महेश गौर, वनरक्षक मनीष गौर, रूपक झा, ब्रजेश पगारे और पवन उइके को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। आरोप है कि वनकर्मियों ने गोली से मृत काले हिरण को जलाकर साक्ष्य नष्ट करने का प्रयास किया तथा एक अन्य हिरण को बोरी में भरकर ले जाने की कोशिश की। इस मामले में अन्य वन अधिकारियों पर भी गाज गिरने की संभावना है। यह मामला जब अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपी सीसीएफ) एल. कृष्णमूर्ति तक पहुंचा, तब मुख्यालय से निर्देश जारी हुए और इसके बाद जांच कर कार्रवाई की गई।

जांच रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

जांच प्रतिवेदन में स्पष्ट किया गया है कि काले हिरण की मृत्यु प्राकृतिक नहीं, बल्कि शिकार से संबंधित थी। प्रारंभिक स्तर पर वन स्टाफ ने इसे प्राकृतिक मृत्यु के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया था। जांच में पाया गया कि घटनास्थल पर एक जीवित काला हिरण बंधे पैर के साथ मिला, जबकि दूसरा मृत अवस्था में था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों से यह पुष्टि हुई कि हिरणों को पकड़कर ले जाया जा रहा था। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि उपलब्ध महत्वपूर्ण साक्ष्यों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। परीक्षण के लिए गए जैविक नमूनों को सुरक्षित रखने के बजाय नष्ट कर दिया गया। अपराध की गंभीर धाराएं लगाने और आरोपियों की पहचान सुनिश्चित करने में भी लापरवाही सामने आई है। वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि काला हिरण संरक्षित प्रजाति है। वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। सूत्रों की माने तो इस मामले में पीएम करने वाले डॉक्टर की भूमिका भी संदेह के दायरों में नजर आ रही है। वहीं सिवनी मालवा के एसडीओ सामान्य की भी कार्यशैली शंका के दायरे में नज़र है। जिन पर भी कार्यवाही होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

सार-समाचार

प्रस्फुटन समिति की बैठक आयोजित

अनोखा तीर, माखन नगर। मप्र जन अभियान परिषद गनेरा सेक्टर क्रं 02 के अंतर्गत ग्राम बीकोर में प्रस्फुटन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमे ब्लॉक समन्वयक नरेंद्र देशमुख, नावकुर संस्था संचालक मनीष चतुर्वेदी, जनपद सदस्य नारायण सैनी, सरपंच

मंगल सिंह कीर, सेक्टर प्रभारी हर्ष तिवारी, सुरेश यादव, मोनू मांझी प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष आशीष मुदगल एवं समिति के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान समिति के दस्तावेजीकरण तथा बैनर-फ्लेक्स तैयार कराये गए। बैठक में आगामी गतिविधियों के तहत नर्सरी तैयार करने को कहा गया। सदस्यों को नर्सरी निर्माण की प्रक्रिया एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य समिति को मजबूत बनाना एवं ग्राम स्तर पर विकास कार्यों को गति देना रहा। बैठक का समापन पर सदस्यों के सहयोग और सहभागिता की शपद दिलाई गई।

श्रीमती सुशीला शर्मा का निधन

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। स्थानीय चाइल्ड केयर स्कूल की प्राचार्या श्रीमती रेखा शर्मा की माता, अबीर शर्मा की नानी एवं प्रमोद शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला शर्मा का बुधवार दोपहर को आकस्मिक निधन हो गया। जिससे शहर में शोक छा गया। अंतिम यात्रा आज गुरुवार को सुबह ०८ बजे निज निवास हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से स्थानीय मुक्ति धाम जेल रोड पर निकलेगी।

निलेश राठी का निधन

अनोखा तीर, इटारसी। शहर के प्रतिष्ठित परिवार से पत्रकार विनीत राठी व नितेश राठी के छोटे भाई निलेश राठी का निधन हो गया। वे लगभग 50 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर से नगर में शोक की लहर फैल गई। निलेश राठी अपने सरल, सहज और मिलनसार व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। अपने हरफनमौला स्वभाव और हंसमुख अंदाज से वे हर उदास चेहरे पर मुस्कान ले आते थे। समाज में उनकी पहचान एक सकारात्मक और सहयोगी व्यक्ति के रूप में थी। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को इटारसी के स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। उन्हें मुखाग्नि उनके दो पुत्र हार्दिक राठी एवं अर्चित राठी एवं भतीजे विनायक राठी ने दी। अंतिम यात्रा में नगर के गणमान्य नागरिक, व्यापारीगण, जनप्रतिनिधियों, शुभचिंतक उपस्थित रहे और श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'कवयित्री कुंभ' का आयोजन

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। नर्मदा आव्हान सेवा समिति द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कवयित्री कुंभ अखिल भारतीय काव्य महोत्सव एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से देशभर की कवयित्रियों को एक साझा मंच प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक केप्टिन करैया ने बताया कि 1 मार्च, रविवार को लिटिल स्टार चिल्ड्रन होम, हिरवारा (कटनी) में यह आयोजन दो सत्रों में प्रात: 9 बजे से सायं 6 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रांतों से लगभग 50 कवयित्रियों को आमंत्रित किया गया है, जो अपने काव्य पाठ से कार्यक्रम को विशेष आयाम देंगी। संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हंस राय ने जानकारी दी कि आयोजन में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं वरिष्ठ साहित्यकारों को भी आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम संयोजक ने बताया कि काव्य पाठ के उपरांत सभी आमंत्रित कवयित्रियों को अतिथियों की उपस्थिति में समिति द्वारा स्मृति चिन्ह एवं 'साहित्य गौरव' सम्मान से अलंकृत किया जाएगा।

पारंपरिक हस्तशिल्प को बढ़ावा देने जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। स्थानीय शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प सेवा केन्द्र द्वारा शिल्प प्रदर्शन सह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉ. जैन ने अपने उद्बोधन में बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों एवं युवाओं को पारंपरिक हस्तशिल्प कलाओं से जोड़ना और उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने वोकल फ़ॉर लोकल को देश की अर्थव्यवस्था सशक्त बनाने का प्रमुख माध्यम बताया। मध्यप्रदेश हस्तशिल्प विकास निगम नर्मदापुरम के प्रतिनिधि रतन साहा ने कहा कि शिक्षा के साथ कौशल विकास आवश्यकता है। सहायक निदेशक अर्पणा देशमुख ने बताया कि भारत विविध हस्तकलाओं से समृद्ध है और इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशिष्ट शिल्पकारों की खोज कर उन्हें रोजगार से जोड़ना है। हैंडीक्राफ्ट प्रमोशन ऑफिसर प्रिंस कुमार ने कहा कि आत्मनिर्भर बनने के लिए विशेष कौशल का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे आयोजनों से छात्राओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी भी मिलती है। कार्यक्रम दो सत्रों में संपन्न हुआ। प्रथम सत्र में मास्टर ट्रेनर ममता जाटव ने छात्राओं को ब्लॉक प्रिंटिंग का प्रशिक्षण दिया। तथा बाजार की मांग के अनुसार डिज़ाइन तैयार करने के तरीके सिखाए। द्वितीय सत्र में मास्टर ट्रेनर राजू गोहर, सुखदेव कुमेथी और काशीबाई सिलावट ने काष्ठ एवं बांस शिल्प, लकड़ी पर नक्काशी और सजावटी वस्तुएं बनाने की तकनीक का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. हर्षा चचाने एवं नीलम चौधरी का विशेष योगदान रहा।

पीएम कुसुम-बी योजना के तहत किसानों को सोलर पंप की सौगात

438 किसानों का चयन, शिविर में 27 प्रकरणों की प्रक्रिया पूर्ण

अनोखा तीर, नर्मदापुरम।

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना (पीएम कुसुम-बी) के अंतर्गत जिले के किसानों को सिंचाई सुविधा सुलभ कराने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है। योजना के तहत मप्र ऊर्जा विकास निगम द्वारा नर्मदापुरम जिले में 438 किसानों का ऑफ-ग्रिड सोलर पंप प्रदाय के लिए चयन किया गया है। इस योजना के माध्यम से किसानों को दिन के समय निर्बाध सिंचाई की सुविधा, कम लागत में खेती और पर्यावरण संरक्षण में सहभागिता जैसे अनेक लाभ मिल रहे हैं। सोलर पंपों के उपयोग से डीजल व बिजली पर निर्भरता कम होने के साथ-साथ कृषि उत्पादन में भी सकारात्मक वृद्धि हो रही है। कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हिमांशु जैन के निर्देशानुसार बुधवार, 25 फरवरी 2026 को विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में जिला अक्षय ऊर्जा अधिकारी नरेंद्र कुमार जैन (डीईओ), मप्र ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड नर्मदापुरम के अमजद खान तथा विभिन्न इकाइयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। शिविर के दौरान कुल 27 किसानों के प्रकरणों की एआईएफ (एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड) के तहत प्रक्रिया पूर्ण की गई। वहीं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों द्वारा 17 चयनित आवेदकों की सीआईएफ (कस्टमर इंफॉर्मेशन फाइल) तैयार की गई। शिविर का सफल संचालन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम, उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास तथा जनपद पंचायत पिपरिया के अधिकारी-कर्मचारियों के सहयोग से किया गया।

भारतीय मजदूर संघ का राष्ट्रव्यापी विरोध दिवस

25 फरवरी को देशभर में धरना प्रदर्शन, श्रमिक मांगों को लेकर सरकार को सौंपा ज्ञापन

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। भारतीय मजदूर संघ के 21वें अखिल भारतीय त्रैवार्षिक तीन दिवसीय अधिवेशन का आयोजन 6, 7 और 8 फरवरी 2026 को उड़ीसा के पवित्र तीर्थ स्थल पुरी में संपन्न हुआ। अधिवेशन में देशभर से आए प्रतिनिधियों ने श्रमिकों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और श्रमिकों की चिंताओं का समाधान किया जाए। त्रिपक्षीय तंत्र को पुर्नथापित कर इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस शीघ्र बुलाई जाए तथा संबंधित समितियों को प्रभावी बनाया जाए। ईपीएस-95 के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन 1 हजार से बढ़ाकर साढ़े 7 हजार प्रतिमाह महंगाई भत्ते सहित की जाए। ईपीएफ की वेतन सीमा 15 हजार से

विभिन्न प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए। अधिवेशन से पूर्व संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री से भेंट कर मांगों का ज्ञापन सौंपा था। मंत्री द्वारा शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया, किंतु हालिया बजट में श्रमिक हितों की अनदेखी किए जाने पर केंद्रीय नेतृत्व ने 25 फरवरी 2026 को अखिल भारतीय स्तर पर विरोध दिवस मनाने का निर्णय लिया। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि सरकार ने मांगों पर सकारात्मक कदम नहीं उठाए, तो आंदोलन को उग्र रूप भी दिया जा सकता है। प्रमुख मांगें में - सभी क्षेत्रों के श्रमिकों पर श्रम कानून बिना किसी छूट के समान रूप से लागू किए जाएं। इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड 2020 एवं ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन कोड 2020 में बढ़ाकर 30 हजार तथा ईएसआईसी की सीमा 21 हजार से बढ़ाकर 42 हजार रुपए प्रतिमाह की जाए। बोनस भुगतान अधिनियम 1965 के तहत बोनस की पात्रता और गणना की सीमा 7 हजार तथा पात्रता सीमा 21 हजार रुपए प्रतिमाह में वृद्धि की जाए। संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16 एवं 21 की भावना के अनुरूप स्कीम वर्कर और ठेका श्रमिकों को स्थायी किया जाए। सामान्य भर्ती पर लगी रोक हटाकर रोजगार की गारंटी सुनिश्चित की जाए। अखिल भारतीय आह्वान के तहत बुधवार को जिले में धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री, केंद्रीय श्रम मंत्री एवं मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश सरकार के नाम संबोधित ज्ञापन कलेक्टर प्रतिनिधि तहसीलदार सरिता मालवीय को सौंपा गया।

धोखाधड़ी कर बैंक खाते से 2.84 लाख उड़ाए

- पुलिस ने आरोपी को झांसी से किया गिरफ्तार

अनोखा तीर, इटारसी।

स्थानीय पुलिस ने बैंक खाते से धोखाधड़ी कर लाखों रुपए चुराने वाले एक शातिर साइबर अपराधी को उत्तर प्रदेश के झांसी से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 1 लाख 20 हजार रुपए नकद और दो कीमती मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जानकारी के अनुसार धोखाधड़ी का यह मामला मालवीगंज निवासी नरेंद्र सिंह के साथ हुआ। उनका एसबीआई की मुख्य शाखा में खाता था। 27 दिसंबर 2025 को जब वे बैंक पैसे निकालने पहुंचे, तो उन्हें पता चला कि उनके खाते में एक भी रुपया नहीं बचा है। जांच में सामने आया कि 21 से 26 नवंबर के बीच एक मोबाइल नंबर का उपयोग कर उनके खाते से किस्तों में कुल 2 लाख 84 हजार रुपए निकाल लिए गए थे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

तकनीकी सबूतों ने आरोपी तक पहुंचाया

एसपी के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने जब तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन का विश्लेषण किया, तो तार झांसी से जुड़े मिले। टीम ने तत्काल झांसी के थाना सदर बाजार क्षेत्र के टाल मोहल्ला में दबिश दी और 23 वर्षीय आरोपी तुषार अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से अपराध में इस्तेमाल की गई सामग्री और नकदी बरामद की है। जिसमें आईफोन-16 कीमत करीब 65 हजार रुपए, मोटोरोला कंपनी का मोबाइल कीमत 20 हजार रुपए सहित नकदी 1 लाख 20 हजार रुपए जप्त किए। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी ने और कितने लोगों को अपना निशाना बनाया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला और साइबर सेल की टीम की मुख्य भूमिका रही।

- संभाग स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक में दिए निर्देश

वन व्यवस्थापन प्रकरणों का समयबद्ध और प्राथमिकता से निराकरण हो

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में बुधवार को संभाग स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन अपराध नियंत्रण, वन व्यवस्थापन एवं विभिन्न लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक मिथलेश कुमार शुक्ला, मुख्य वन संरक्षक मधु वी. राज, वन संरक्षक अशोक कुमार, कलेक्टर बैतूल नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन, कलेक्टर हरदा सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक हरदा, पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम, डीएफओ नवीन गर्ग, डीएफओ लक्ष्मीकांत वासनिक सहित बैतूल, हरदा एवं नर्मदापुरम जिलों के जिला पंचायत सीईओ तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, नर्मदापुरम वनमंडल (सामान्य) तथा दक्षिण एवं पश्चिम बैतूल वनमंडलों द्वारा वन अपराध प्रबंधन प्रणाली सॉफ्टवेयर पर ऑनलाइन प्रविष्टियां की जा रही हैं। वन एवं पुलिस विभाग के समन्वय से संयुक्त सूची तैयार कर

संगठित वन अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई की गई है। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि भविष्य में भी वन, राजस्व एवं पुलिस विभाग आपसी समन्वय से सतत कार्रवाई सुनिश्चित करें। रामपुर भतोड़ी परियोजना अंतर्गत चोपना परिक्षेत्र में सामूहिक अतिक्रमण के प्रकरणों में वन एवं पुलिस विभाग को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वन प्रतिबंधित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के स्थायी निर्माण को रोकने पर विशेष जोर दिया गया। तीनों जिलों में वन व्यवस्थापन से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त ने निर्देशित किया कि सभी मामलों का उच्च प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 4 के अंतर्गत अधिसूचित वनखंडों में धारा 5 से 19 तक की कार्यवाही निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। वन व्यवस्थापन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए बैतूल जिले की सराहना भी की गई।

साथ ही वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अंतर्गत पूर्व में व्यपवर्तित वन भूमि के बदले भूमि अप्राप्त या अतिक्रमित होने के मामलों की समीक्षा की गई। कलेक्टर के आदेश, हस्तांतरण कार्यवाही तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदार बैतूल द्वारा प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में वन ग्रामों की बाहरी सीमाओं के निर्धारण की समीक्षा भी की गई।

त्योहारों से पहले मिठाई दुकानों पर खाद्य विभाग की कार्रवाई

अनोखा तीर नर्मदापुरम/इटारसी। आगामी त्योहारों को देखते हुए कलेक्टर के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले में मिठाई, खोवा एवं अन्य दुग्ध उत्पाद विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान इटारसी क्षेत्र में विभिन्न मिठाई निर्माण इकाइयों और प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के तहत इटारसी स्थित गगन मगन स्वीट्स (निर्माण यूनिट), बीकानेर स्वीट्स, विमल स्वीट एवं किशोर रेस्टोरेंट के निर्माण स्थलों की जांच की गई। टीम द्वारा मावा कतली, बर्फी, केसर बर्फी, मलाई बर्फी, राजस्थानी बर्फी, मिल्क केक, मगध लड्डू, मावा पेड़ा, शाही मिल्क केक एवं पेड़ा सहित कुल 10 नमूने संग्रहित किए गए। इसके अतिरिक्त चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से 27 खाद्य नमूनों की मौके पर ही स्पॉट जांच की गई। निरीक्षण के दौरान सभी व्यापारियों को साफ-सफाई एवं गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। संग्रहित नमूनों को विस्तृत जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध आवश्यकतानुसार न्यायालयीन कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा मावा, मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों के निर्माण, परिवहन एवं भंडारण पर सतत निगरानी रखी जा रही है। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस. दियावार एवं जितेंद्र सिंह राणा सहित अन्य खाद्य सुरक्षा अमला उपस्थित रहा।

किडनी रोग से जूझ रही इटारसी की बिटिया शिखा चौरे को सहायता राशि भेंट

अनोखा तीर नर्मदापुरम/इटारसी। इटारसी निवासी बिटिया शिखा चौरे, जो अपनी दोनों किडनियों की गंभीर खराबी से पीड़ित है, उनके उपचार में सहयोग करने के लिए भारतीय किसान यूनियन, मध्यप्रदेश जिला नर्मदापुरम ने मदद का हाथ उठाते हुए 10 हजार रुपए की सहायता राशि आज उनके निवास पर जाकर भेंट की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने परिवार से मुलाकात कर बिटिया के स्वास्थ्य की जानकारी ली और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने समाज से भी अपील की कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे इस परिवार की मदद के लिए आगे आएं। संगठन की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि साझा की गई फोटो किसी प्रकार के प्रदर्शन या प्रचार के उद्देश्य से नहीं है, बल्कि अन्य लोगों को इस पुण्य कार्य में सहभागी बनने के लिए प्रेरित करने के लिए जारी की गई है। भारतीय किसान यूनियन ने मानवता के नाते अधिक से अधिक लोगों से सहयोग करने की अपील की है, ताकि बिटिया को समय पर समुचित उपचार मिल सके।

विकास के नाम पर अंधाधुंध कटाई

कारगिल चौक के पास काटे हरे-भरे पेड़, शिवसेना जिलाध्यक्ष ने पर्यावरण मंत्री से सीधा जवाब मांगा

अनोखा तीर, बैतूल।

प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। मंचों से एक पेड़ मां के नाम का नारा गूंज रहा है। लेकिन जमीनी तस्वीर कुछ और कहानी कह रही है। बैतूल में विकास के नाम पर जिस तरह हरे-भरे पेड़ों पर आरी चलाई जा रही है, उसने सत्ता पक्ष की मंशा और कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बीच शिवसेना जिलाध्यक्ष विजेंद्र गोले ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सत्ता पक्ष और प्रशासन को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि विकास के नाम पर अंधाधुंध कटाई स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या कालेज चौक के मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए कारगिल चौक के पास पेड़ काटे गए। कारगिल चौक के पास दुर्गादास राठौर की प्रतिमा के बाजू में खड़े

हरे-भरे पेड़ों को काट दिया गया। विजेंद्र गोले ने मध्य प्रदेश के पर्यावरण मंत्री दिलीप अहिरवार से सीधा जवाब मांगा है। उन्होंने कहा यदि सरकार पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर है तो बैतूल में हो रही कटाई पर स्पष्ट रुख क्यों नहीं दिख रहा। शिवसेना जिलाध्यक्ष गोले ने कहा कि आज बैतूल शहर की हालत ऐसी हो गई है मानो पूरा शहर भगवान भरोसे चल रहा हो। जो जिला कभी अपनी शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और सतपुड़ा की घने जंगलों की वादियों के लिए पहचाना जाता था, वही अब लगातार पेड़ों की कटाई और अव्यवस्थित विकास की मार झेल रहा है। उन्होंने कहा कि जिस धरती की पहचान हरियाली और स्वच्छ वातावरण से थी, वहां यदि इसी तरह अंधाधुंध कटाई और लापरवाही जारी रही तो वह दिन दूर नहीं जब यह जिला वनों और पौधों से बेरंग और बंजर नजर आएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी, क्योंकि हम उनकी हरियाली और स्वच्छ सांसें आज ही छीन रहे हैं।

नपा कर्मचारी पर गोपनीय दस्तावेज लीक करने का आरोप, जांच की मांग

अनोखा तीर, बैतूल। स्थानीय नगर पालिका में दो कर्मचारियों के बीच चल रहा विवाद अब और गहराता नजर आ रहा है। पिछले दिनों सहायक राजस्व निरीक्षक पुष्पराव महस्की द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद अब एक नया शिकायत पत्र सामने आया है, जिससे नगरपालिका के प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सेवा संबंधी गोपनीय दस्तावेजों को निर्धारित प्रक्रिया के बिना प्राप्त कर मीडिया एवं जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाया गया। पत्र में यह भी कहा गया है कि यदि ऐसा हुआ है तो यह सेवा नियमों का उल्लंघन हो सकता है और इसकी स्वतंत्र जांच आवश्यक है। साथ ही यह स्पष्ट करने की मांग की गई है कि संबंधित दस्तावेज किसकी अनुमति से सार्वजनिक किए गए। शिकायत पत्र में एक महत्वपूर्ण बिंदु संबंधित कर्मचारी पुष्पराव महस्की की मानसिक स्थिति को लेकर भी उठाया गया है। इसमें उल्लेख किया गया है कि कर्मचारी के बारे में यह जानकारी मिली है कि वे पिछले कई वर्षों से मानसिक उपचार ले रहे हैं और उनके व्यवहार को लेकर चिंता जताई गई है। पत्र में प्रशासन से आग्रह किया गया है कि इस पहलू की भी तथ्यात्मक जांच कराई जाए। पत्र में यह भी उल्लेख है कि पूर्व में कार्यप्रणाली को लेकर पुष्पराव महस्की को नोटिस जारी किए गए थे, जिसके बाद से विवाद की स्थिति बनी। शिकायतकर्ता ने आशंका जताई है कि प्रशासनिक कार्रवाई से बचने के लिए आरोप-प्रत्यारोप लगाया जा रहा है।

सार-समाचार

विज्ञान दिवस अंतर्गत गतिविधियों का शुभारंभ

अनोखा तीर, खातेगांव। स्थानीय शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर २५ से 28 फरवरी तक विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिसका शुभारंभ बुधवार को किया गया। शुभारंभ अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. विजय सिंह गुर्जर, डॉ. सादिया पटेल संकायाध्यक्ष विज्ञान विभाग ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यापर्णन किया एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सादिया पटेल ने जानकारी देते हुए

बताया कि विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि एवं जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से 04 दिवसीय विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आज प्रथम दिवस में विज्ञान में महिलाएं–विकसित भारत को गति प्रदान करना थीम पर रंगोली, निंबंध लेखन, पोस्टर निर्माण में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने भागीदारी कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। डॉ. मुकेश मकवाना ने कार्यक्रम की रुपरेखा से अवगत कराते हुए बताया कि २६ फरवरी को व्याख्यानमाला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा विज्ञान के विविध पहलुओं के बारे में अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी एवं विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया जाएगा। साथ ही आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। डॉ. नदीम अंसारी ने विज्ञान के क्षेत्र में गणित की भूमिका के बारे में अवगत कराया एवं आयोजित प्रतियोगिताओं के लिए विद्यार्थियों को मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर डॉ. धीरज शर्मा, प्रो. क्षितिज करारी, डॉ. लक्ष्मीचन्द्र मालवीय एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ईपीएफ एवं औद्योगिक श्रमिकों को 7500 से अधिक पेंशन बढ़ोतरी की मांग

- अभा इंजीनियरिंग एवं मेटल मजदूर महासंघ ने जिला कलेक्टर कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

अनोखा तीर, देवास। अखिल भारतीय इंजीनियरिंग एवं मेटल मजदूर महासंघ भामसं संबंद्ध द्वारा जिला कलेक्टर कार्यालय में प्रधानमंत्री तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। महासंघ महामंत्री रामभान सिंह ने बताया कि ज्ञापन में मांग की गई कि ईपीएस-95 के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन 1000 से बढ़ाकर 7500 रुपए प्रतिमाह

महंगाई भत्ते सहित लागू की जाए। ईपीएफ में अनिवार्य अंशदान के लिए वेतन सीमा 15 हजार रुपए से बढ़ाकर 30 हजार रुपए तथा ईएसआईसी के अंतर्गत वेतन सीमा 21 हजार रुपए से बढ़ाकर 42 हजार प्रतिमाह की जाए। बोनस भुगतान अधिनियम 1965 के तहत बोनस पात्रता की वर्तमान सीमा में वृद्धि की जाए। ठेका श्रमिकों को स्थायी किया जाए। सामान्य भर्ती (जनरल रिक्रूटमेंट) पर लगी रोक हटाकर सुरक्षित एवं सुनिश्चित रोजगार की गारंटी दी जाए। ज्ञापन के पूर्व कलेक्टर कार्यालय पर श्रमिक नेता जनार्दन पेठनकर एडवोकेट ने उपस्थितजनों को संबोंधित करते हुए श्रमिकों की मांगों का समर्थन किया। इस अवसर पर शशिकांत बजे, माखनसिंह राजपूत, पदमाकर जोशी, गिरधारीलाल शर्मा, भूपत वर्मा, दीवाकर बोडखे, सुभाष पंडित सहित बड़ी संख्या महासंघ के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अमलतास अस्पताल में 100 वर्षीय बुजुर्ग का प्रोस्टेट ऑपरेशन सफल, डॉक्टरों ने दी राहत

अनोखा तीर, देवास। चिकित्सा जगत में उम्र की बाधा को पार करते हुए देवास के अमलतास अस्पताल ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बताया गया कि यहां 100 वर्षीय बुजुर्ग मरीज बने सिंह का प्रोस्टेट का सफल ऑपरेशन किया गया। मरीज पिछले कई दिनों से मूत्र संबंधी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे थे। स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि उनका

चलना-फिरना बंद हो गया था और यूरिन रुकने की वजह से उन्हें अत्यधिक जलन और असहनीय दर्द हो रहा था। परिजनों ने उन्हें अमलतास अस्पताल में भर्ती कराया, जहां मूत्र एवं पथरी रोग विशेषज्ञ डॉ. देवेश बंसल ने जांच के बाद ऑपरेशन की सलाह दी। डॉ. देवेश बंसल, डॉ. विजय भदौरिया और डॉ. मनीष तोमर की टीम ने अत्यंत सावधानी के साथ यह जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न किया। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि बुजुर्ग अब पूरी तरह स्वस्थ है और उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। मरीज के परिजनों ने अस्पताल और डॉक्टरों का आभार व्यक्त करते हुए आयुष्मान योजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि शासन की इस योजना के कारण ही 100 वर्ष की आयु में भी निःशुल्क और उच्च स्तरीय इलाज संभव हो सका। अमलतास वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन मयंक राज सिंह भदौरिया ने इस सफलता पर पूरी मेडिकल टीम को बधाई दी है।

स्वर्ण जयंती वर्ष में नागरिक बैंक ने दोहराया जनहितकारी सेवाओं का संकल्प

50 वर्षों की सफल यात्रा : 1976 से 2026 तक बना सेवा, समर्पण और पारदर्शिता की मिसाल

अनोखा तीर, बैतूल। सहकारिता और जनविश्वास की मजबूत पहचान बन चुका बैतूल नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित बैतूल ने अपना 50वां स्थापना दिवस 25 फरवरी को गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया। इस ऐतिहासिक अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार, बैंक के सम्मानित ग्राहक, सदस्यगण, पदाधिकारी, सहकारिता विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बैंक परिवार के सभी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जीआर कोसे ने बताया कि बैंक की स्थापना 25 फरवरी 1976 को समाज के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने कहा कि स्थापना काल से ही बैंक ने विश्वसनीयता, पारदर्शिता और जनकल्याणकारी योजनाओं को अपनी

कार्यशैली का आधार बनाया है। अनेक चुनौतियों के बावजूद बैंक ने ग्राहकों के विश्वास को कायम रखते हुए निरंतर प्रगति की है और सहकारिता क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। श्री कोसे ने स्वर्ण जयंती वर्ष को बैंक से जुड़े प्रत्येक सदस्य, ग्राहक, कर्मचारी एवं शुभचिंतक के अटूट विश्वास, समर्पण और सहयोग की आधी सदी की गौरवशाली यात्रा का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि आज की सफलता में संस्थापक सदस्यों, पूर्व पदाधिकारियों, सहकारिता विभाग तथा वर्तमान बैंक परिवार के अथक प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस अवसर पर बैंक द्वारा संस्थापक सदस्यों, पूर्व पदाधिकारियों, ग्राहकों, सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा भविष्य में भी बेहतर, सुरक्षित और जनहितकारी बैंकिंग सेवाए प्रदान करने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित महानुभावों के प्रति आभार प्रदर्शन के साथ किया गया।

चेम्बर के पानी की निकासी कर 3 दिवस में अवगत कराएं : महापौर

अनोखा तीर, देवास। प्रति बुधवार को निगम में की जाने वाली महापौर जनसुनवाई में नागरिकों के द्वारा निगम संबंधि शिकायतों के आवेदन निराकरण कराने के लिए महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल को दिए। महापौर ने प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों से जनसुनवाई में ही चर्चा कर निराकरण करवाने के निर्देश दिए। प्राप्त आवेदनों में सुपर मार्केट के आसपास अस्थाई अतिक्रमण हटावाने एवं मुखर्जी नगर अचआईजी निवासी द्वारा अपने निवास के सामने चेम्बर खाली कराने व सिवरेज लाईन डालने संबंधि आवेदनों पर महापौर ने संज्ञान में लेते हुए 3 दिवस में निराकरण करने के साथ ही किये गए कार्यों से अवगत कराने के निर्देश दिए। शेष 5 प्राप्त आवेदनों को समय सीमा में निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान महापौर गीता अग्रवाल ने विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल के साथ प्रधानमंत्री स्वनिधि के स्वीकृति पत्रों तथा 3 व्यवसाईयों को खाद्य व अखाद्य लायसेंसों का वितरण किया गया। इस अवसर पर निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, जाकिर जाफरी, आरती खेडेकर, लेखा अधिकारी दिलीप गर्ग, प्र. कार्यपालन यंत्री जगदीश वर्मा, सौरभ त्रिपाठी, सहायक यंत्री दिनेश चौहान, मुशाहीद हन्फी, प्र. कार्यालय अधिक्षक रणजीतसिंह पंजाबी, उपयंत्री विजय जाधव, श्याम सुन्द्र रघुवंशी, राजेश कौशल, जीवन रावत, पलक श्रीवास्तव, स्वच्छता निरीक्षक हरेन्द्र सिंह ठाकुर, प्रवीण पाठक, मुन्ना कुरैशी, भाजपा नेता विपुल अग्रवाल, जितेन्द्र जायसवाल एवं व्यवसाई व हितग्राही उपस्थित थे।

आईआईटी इंदौर में फिर गूंजी कविता - मेरी बेटी स्कूल जा रही है...

विज्ञान ज्योति शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम

अनोखा तीर, सतवास। विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के तहत स्थानीय सांदीपनि शासकीय उमा विद्यालय की कक्षा 11वीं की छात्राओं ने भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान इंदौर (आईआईटी इंदौर) का शैक्षिक भ्रमण किया। बताया गया कि नवोदय विद्यालय के मार्गदर्शन में आयोजित इस शैक्षिक भ्रमण में छात्राओं ने आईआईटी इंदौर में विज्ञान की अवधारणाओं को समझा। इतने बड़े संस्थान में जाकर छात्राओं को बहुत अच्छा लग रहा था और उनके मन में विज्ञान की अवधारणाओं को लेकर विभिन्न जिज्ञासा पैदा हो रही थीं। छात्राओं ने वहां उपस्थित विभिन्न विषयों के प्रोफेसर से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान समझा - आईआईटी किन सिद्धांतो पर काम करता है और आईआईटी के इस विशाल परिसर में कौन-कौन सी लेब, कौन-कौन सी विज्ञान गैलरी, कौन सी लाएब्रेरी, संचालित है उनका अवलोकन किया एवं उनकी कार्यशेली को समझा व उसका अध्ययन किया। इस मौके पर अलग-अलग विद्यालयों से विज्ञान ज्योति कार्यक्रम में चयनित छात्राएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम के दौरान आईआईटी के सभाकक्ष में सतवास के विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के प्रभारी शिक्षक मनोज दुबे की कविता मेरी बेटी स्कूल जा रही है... बहुत ही उत्साह के साथ सुनी गई। पिछले वर्ष भी यही पर इस कविता को, इसी उत्साह के साथ सुना गया था।

कार्यक्रम में विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के नोडल ऑफिसर और आईआईटी इंदौर की फिजिक्स विषय विभाग, प्रमुख वरिष्ठ प्रोफेसर अंखिराय, कॉर्डिनेटर नितिन श्रीवास्तव, नवोदय से विज्ञान ज्योति प्रभारी निशा माकोड़े, वासुदेव श्रीवास्तव एवं आईआईटी इंदौर के अलग-अलग विषय के वरिष्ठ प्रोफेसर मौजूद थे।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण से 10 फीट का सार्वजनिक मार्ग हुआ संकरा

- महीनों से तहसील, थाना और जनसुनवाई के चक्कर काट रही महिला, नहीं हो रही सुनवाई

अनोखा तीर, बैतूल। आठनेर तहसील के ग्राम पंचायत दहेगुड़ में सरकारी रास्ते पर अतिक्रमण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में फरियादी महिला अनीता डडोरे महीनों से तहसील, थाना और जनसुनवाई के चक्कर काट रही हैं, लेकिन रास्ता अब भी कब्जे में है। पटवारी की जांच में अतिक्रमण की पुष्टि के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। धमकी और दबाव के बीच न्याय की आस लगाए पीड़िता

अब मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के भरोसे बैठी है। जानकारी के अनुसार पीड़िता ग्राम पंचायत दहेगुड़ के नयेगांव की निवासी होकर पेशे से गुणवंत बाबा मंदिर में पूजा-पाठ करके अपना गुजारा करती हैं। उनके आवास के सामने सरकारी रास्ता है, जो पहले 10 फीट चौड़ा था और बैलगाड़ी आसानी से आ-जा सकती थी। शिकायतकर्ता अनीता का आरोप है कि पड़ोसी टापचंद किराड़ और सुशीला सोलंकी ने कथित तौर पर इस रास्ते पर अतिक्रमण कर लिया और रास्ते में गंदा पानी रोज बहाया जाता है जिससे बदबू चलती है। अब मोटरसाइकिल का भी आवागमन मुश्किल हो गया है।

ग्रामीणों को मिलेगी वर्षों पुरानी समस्या से राहत

ग्राम बोरेखेड़ी फतु में 5.97 करोड़ की पुलिया का भूमिपूजन

अनोखा तीर, देवास। शाजापुर-देवास क्षेत्र के सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी के मुख्य आतिथ्य में बोरेखेड़ी फतु से नलेश्री मार्ग पर बनने वाली महत्वपूर्ण पुलिया का भव्य भूमि पूजन संपन्न हुआ। लगभग 5.97 करोड़ रुपए की लागत

से बनने वाली यह पुलिया क्षेत्र के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है। सांसद सोलंकी के निरंतर प्रयासों और केंद्रीय स्तर पर की गई पहल के परिणामस्वरूप इस बहुप्रतीक्षित परियोजना को स्वीकृति मिली। क्षेत्रवासियों ने इसे सांसद की विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। पुलिया निर्माण से ग्रामीणों की वर्षों पुरानी आवागमन की समस्या का स्थायी समाधान होगा। विशेष रूप से बरसात के मौसम में उफनते नालों के कारण संपर्क टूट जाता था, जिससे विद्यार्थियों, किसानों और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब इस पुलिया के निर्माण से न केवल सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित होगा, बल्कि क्षेत्रीय संपर्क बेहतर होने से व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष नंदकिशोर पाटीदार, पूज्य गुरुदेव वेदांत दास महाराज, वरिष्ठ नेता बद्रीलाल जायसवाल, पूर्व मंडी अध्यक्ष सौदान सिंह, युवा नेता श्रवण सिंह, जिपं सदस्य ओम राजोरिया, नीरज सिंह चौहान सहित कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संतोष जायसवाल ने किया। उक्त जानकारी देवेंद्र जायसवाल ने दी।

27 फरवरी को लगेगा खाटू श्याम को छप्पन भोग

विशाल निशान यात्रा एवं श्याम संकीर्तन होगा

अनोखा तीर, खातेगांव। नगर के श्री खाटू श्याम मंदिर में 27 फरवरी को फाग महोत्सव, श्याम संकीर्तन एवं विशाल निशान यात्रा का आयोजन रखा गया है। जानकारी देते हुए खाटू श्याम समिति के सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी फाग महोत्सव का दिव्य अनुष्ठान नगर के खाटू श्याम मंदिर परिसर में आयोजित किया जा रहा है। खातेगांव नरेश बाबा खाटू श्याम के दरबार में 27 फरवरी प्रातः 10 बजे से प्राचीन गणेश मंदिर जूना गल्ला मंडी से विशाल निशान यात्रा प्रारंभ होगी। उसी दिन रात्रि 08 बजे से विशाल श्याम संकीर्तन फाग महोत्सव का आयोजन प्राचीन श्री खाटू श्याम मंदिर में आयोजित किया जाएगा। जहां प्रसिद्ध श्याम संकीर्तन के जाने-माने कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही बाबा खाटू श्याम को छप्पन भोग की महाप्रसादी लगेगी एवं 551 किलो खिचड़ी का महाप्रसाद वितरित होगा।

गौ सेवकों और निगम कर्मचारियों में मारपीट, क्रॉस एफआईआर दर्ज

ट्रेंचिंग ग्राउंड पर मिले गोवंश अवशेष

अनोखा तीर, देवास। शहर के ट्रेंचिंग ग्राउंड पर गोवंश के मृत अवशेष और चमड़ी खुले में मिलने के बाद विवाद हो गया। इस मामले में गौ सेवकों और नगर निगम कर्मचारियों के बीच मारपीट हुई, जिसके बाद दोनों पक्षों ने क्रॉस एफआईआर दर्ज कराई है। सूचना मिलने पर गो सेवा संस्था से जुड़ी सिया सिंह परिहार अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंची थीं। सिया सिंह परिहार ने आरोप लगाया कि वे केवल स्थिति देखने गए थे, लेकिन वहां मौजूद नगर निगम कर्मचारियों और उनके साथियों ने उनके साथ मारपीट की। उन्होंने नाहर दरवाजा थाने में एफआईआर दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर, नगर निगम कर्मचारी शैलेंद्र सोलंकी दरोगा ने बताया कि वह ट्रेचिंग ग्राउंड पर गायों को दफनाने और अवशेष उठाने का काम करते हैं। उनके अनुसार, गौ सेवकों ने उनके साथ बदसलूकी और मारपीट की। इसके बाद उन्होंने भी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए हैं। नाहर दरवाजा थाना प्रभारी अमित सिंह सोलंकी ने जानकारी दी कि पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है।

शिवसेना ने की दोषियों पर कार्रवाई की मांग

नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत संचालित ट्रेंचिंग ग्राउंड में गौ माता के अवशेष पाए जाने शिवसेना ने जिला कलेक्टर को आवेदन देते दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। शिवसेना जिलाध्यक्ष सुनील वर्मा ने आवेदन में बताया कि है कि ट्रेंचिंग ग्राउंड से एक वीडियो और फोटो सामने आए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में गौ माता के मृत शरीर खुले में पड़े दिखाई दे रहे हैं। यह दृश्य अत्यंत पीड़ादायक है और इससे आमजन की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। उन्होंने बताया कि नियमानुसार मृत गौवंश को विधिवत भूमि में दफनाया जाना चाहिए, किंतु नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि खुले में पड़े अवशेषों को कुत्ते नोचते हुए देखे गए, जो न केवल असंवेदनशीलता को दर्शाता है बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे कुत्तों का आसपास खुलेआम घूमना भी नागरिकों के लिए खतरा बताया गया है। 24 फरवरी को ट्रेंचिंग ग्राउंड पर कुछ हिंदू संगठन के लोग वहां की व्यवस्था देखने के लिए गए हुए थे, लेकिन वहां पर मौजूद कुछ लोगों द्वारा संगठन के पदाधिकारी व महिला कार्यकर्ता के साथ दूरव्यवहार कर मारपीट की गई। जो अत्यंत निंदनीय है शिवसेना ने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच के लिए समिति गठित की जाए तथा ट्रेंचिंग ग्राउंड के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों सहित समस्त दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

मंदिर भूमि विवाद में एसपी से शिकायत, निष्पक्ष जांच की मांग

अनोखा तीर, बैतूल। आठनेर थाना क्षेत्र के ग्राम सावंगी निवासी मां बगलामुखी साधक एवं सामाजिक कार्यकर्ता रविन्द्र मानकर ने मंदिर भूमि विवाद और कथित अभद्र व्यवहार को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने एएसपी कमला जोशी से भेंट कर मंदिर एवं निवास परिसर के सीसीटीवी फुटेज प्रस्तुत करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

NAME CHANGE

I DEEPRAJ SINGH S/O VIJAY SINGH HAVE CHANGE MY NAME TO DEEPRAJ SINGH SHEKHAWAT S/O VIJAY SINGH SHEKHAWAT. FOR ALL FUTURE PURPOSES.
DEEPRAJ SINGH SHEKHAWAT S/O VIJAY SINGH SHEKHAWAT-PADIYADEH KHATEGAON DEWAS M.P. 455336

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल,म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। प्रधान संपादक सुरेश लोहाना / संपादक प्रहलाद शर्मा / प्रबंध संपादक महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।

सार-समाचार

नवागत मुख्य नपा अधिकारी का पुष्प गुच्छ देकर किया स्वागत

अनोखा तीर, टिमरनी। शासन के आदेशानुसार नगर परिषद टिमरनी में नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रियव्रत बकोरिया ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष देवेंद्र भारद्वाज, पार्षद सुनील दुबे, तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी शेख अकबर, उपयंत्री कृष्ण बोहरे, विजय दुबे, शेरसिंह वट्टी, राजेश नागरे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी का पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। साथ ही

तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी का विदाई समारोह आयोजित कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। अध्यक्ष देवेंद्र भारद्वाज ने बताया कि शासन के आदेश–निर्देशों के पालन में नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पदभार ग्रहण कराया गया तथा पूर्व अधिकारी को सामूहिक रूप से विदाई दी गई। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार ही कार्यवाही की जाती है और उसी के अनुरूप यह प्रक्रिया संपन्न की गई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर नगर के विकास कार्यों को गति दी जाएगी।

शोरूम में घुसकर मारपीट करने वाले आरोपी गिरफ्तार, पहुंचाया जेल

अनोखा तीर, हरदा। इंदौर रोड स्थित बजाज शोरूम में घुसकर की गई मारपीट के चर्चित मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों आरोपियों का जेल वारंट जारी कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने के आदेश दिए। ज्ञात हो कि शोरूम में घुसकर मालिक एवं एडवाइजर के साथ मारपीट की घटना के बाद विभिन्न समाजों में आक्रोश व्याप्त हो गया था। निष्पक्ष जांच एवं कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर सामाजिक संगठनों द्वारा ज्ञापन भी सौंपा गया था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ की थी। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और आवश्यक साक्ष्य एकत्रित करने के उपरांत न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच जारी है तथा तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद शहर में कानून–व्यवस्था को लेकर सकारात्मक संदेश गया है और पीड़ित पक्ष ने न्याय प्रक्रिया पर विश्वास जताया है।

टिमरनी में गुर्जर जनचेतना यात्रा का हुआ स्वागत

अनोखा तीर, टिमरनी। भुआणा अंचल के गुर्जर संतों के सम्मान में निकाली जा रही गुर्जर जनचेतना यात्रा संत श्री बुखारदास बाबा तपो भूमि, छनेरा से प्रारंभ होकर संत रामजीबाबा समाधि स्थल, नर्मदापुरम तक जा रही है। इसी क्रम में यात्रा का टिमरनी नगर में प्रवेश हुआ। नगर के न्यू मार्केट क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी टिमरनी द्वारा भगवान श्री देवनारायण जी के रथ

पर पुष्प सुमन अर्पित कर तथा सामाजिक बंधुओं पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अतुल बारंगे, नगर परिषद अध्यक्ष देवेंद्र भारद्वाज, भाजपा जिला मंत्री अखिलेश बांके, जिला कोषाध्यक्ष समर्थ सिंहल, पूर्व मंडल अध्यक्ष कैलाश डूडी, भाजपा मंडल महामंत्री अंकित कनेरे, नगर परिषद उपाध्यक्ष राजा कौशल, सुनील दुबे, अनिल किरार, सुनील गौर, रविंद्र ठाकुर, नन्हेलाल कौशल, विजय चंदेल, सागर तिवारी, अधिवक्ता संजय उपाध्याय, हिमांशु बंसल, नंदकिशोर सोलंकी, धीरज गौर, राजेश मिश्रा, पंकज सोनी, सतीश ओनकर, मनोज कुशवाहा, पवन चौधरी, हिमांशु वैष्णव, ओमप्रकाश कैथवास, रजत बौरासी, चंदन कैथवास, ललित चावड़ा, मयंक कैथवास सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खनिज के अवैध परिवहन में शामिल 2 डम्पर जप्त

अनोखा तीर, हरदा। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के निर्देशन में जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध रोकथाम की कार्यवाही लगातार जारी है। जिला खनिज अधिकारी हरदा ने बताया कि मंगलवार 24 फरवरी को गुप्तेश्वर मंदिर के पास ग्राम चारूवा में डम्पर नम्बर एमपी 47 जेड सी 7199 की जांच की गई जांच के दौरान खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन पाया गया। डम्पर बिना वैध अभिवहन पास होने से

चालक सुरेश योगी पिता हरिनारायण योगी निवासी बंदीमुहाड़िया तहसील सिराली से जप्त कर पुलिस थाना छीपाबड़ में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया। इसी प्रकार सहायक खनिज अधिकारी श्री चेन सिंह डामोर द्वारा 23 फरवरी को खण्डवा रोड़ पर ग्राम पलासनेर में डम्पर क्र. एमपी20जीए7727 की जांच की गई। जांच के दौरान खनिज मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया। डम्पर बिना वैध अभिवहन पास होने से चालक रामनिवास गुर्जर आत्मज जगदीश गुर्जर निवासी हीरापुर से जप्त कर पुलिस थाना सिविल लाईन हरदा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया। उन्होने बताया कि प्रकरण तैयार कर अपर कलेक्टर न्यायालय को प्रेषित किया जाएगा। प्रकरण में खनिज नियम 2022 के प्रावधान के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने की मानदेय बढ़ाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

अनोखा तीर, हरदा। बुधवार को भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी धरना–प्रदर्शन किया गया। इस दौरान करीब 18 संगठनों से जुड़े कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट चौराहे पर एकत्र होकर प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम 46 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी शामिल रहीं, जिनमें नाराजगी देखी गई। मजदूर संघ के सदस्य पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आशा कार्यकर्ताओं को सरकारी कर्मचारी घोषित कर प्रोत्साहन राशि के स्थान पर नियमित मानदेय देने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। इसके साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने तथा उनके मानदेय में वृद्धि की मांग की गई। एनएचएम के संविदा कर्मियों की बीमा, स्थानांतरण और वेतन संबंधी विसंगतियों को दूर करने की मांग भी शामिल रही। प्रदर्शनकारियों ने सहकारिता क्षेत्र में वेतनमान पुनरीक्षण की विसंगतियों के निराकरण, जिला सहकारी बैंकों में सहायक महाप्रबंधक पद सृजन तथा बैंकिंग क्षेत्र में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग रखी। इसके अलावा वर्ष 2001 से पूर्व के संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण और मृतक आश्रितों को नौकरी देने के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल थी। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि मजदूर और कर्मचारी महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी उपेक्षा के कारण संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा आशा और आशा संगिनी कर्मचारियों को घोषित मानदेय का पूर्ण लाभ नहीं मिल पा रहा है और उनके साथ उपेक्षापूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है।

कार स्क्रेच विवाद

समझौते के बाद महिलाओं को चाकू दिखाकर धमकाया

- **पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर निकाला जुलूस**

अनोखा तीर, हरदा।

जिले में कार स्क्रेच विवाद के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी कमल दमाड़े पर समझौते के बावजूद फरियादी के घर पहुंचकर महिलाओं को चाकूसे धमकाने और ऑटो में तोड़फोड़ करने का आरोप है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सिविल लाइन थाना टीआई आरएस तिवारी ने बताया कि यह घटना 22 फरवरी को दर्ज शिकायत से जुड़ी है। फरियादी रामकुमार पिता रमेश ने गौर कॉलोनी निवासी कमल दमाड़े से किराए पर कार ली थी। कार में स्क्रेच आने के बाद रामकुमार ने कमल को 30 हजार रुपये देकर समझौता कर लिया था। पुलिस ने दोनों पक्षों को भविष्य में विवाद न करने की हिदायत भी दी थी। समझौते और पुलिस की समझाइश के बावजूद, आरोपी कमल दमाड़े फरियादी रामकुमार के घर पहुंचा। उसने घर की महिलाओं को छुरा दिखाकर धमकाया और धारदार हथियार से घर के सामने खड़े ऑटो में तोड़फोड़ की। घटना के बाद पुलिस ने मंगलवार शाम आरोपी कमल दमाड़े को फरियादी के घर के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी का जुलूस भी निकाला और उसे महिलाओं से माफी मंगवाई। यह कदम नागरिकों में भय का वातावरण न फैलने देने के उद्देश्य से उठाया गया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

राजस्थान की हृदयविदारक घटना पर हरदा में फूटा आक्रोश

- **निष्पक्ष जांच एवं पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग, सौंपा ज्ञापन**

अनोखा तीर, हरदा। राजस्थान के बीकानेर जिले के राणजीतपुरा गांव में हाल ही में घटी एक नाबालिग बालिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु की घटना से देशभर में आक्रोश व्याप्त है। परीक्षा देने घर से निकली बालिका का मृत अवस्था में मिलना कानून–व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। इस घटना को लेकर हरदा जिले में भी गहरा रोष व्यक्त किया गया। मामले के विरोध में सर्व सेन समाज बारबर एसोसिएशन जिला हरदा ने जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति एवं मध्यप्रदेश शासन के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन के जिला

अध्यक्ष दीपक तंवर के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि ऐसी घटनाएं समाज में भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित करती हैं। संगठन ने मांग की कि प्रकरण की त्वरित, निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित हो तथा आरोपियों को कठोरतम दंड दिया जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता एवं सुरक्षा प्रदान करने की भी मांग की गई। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो सर्व सेन समाज राष्ट्रव्यापी आंदोलन के लिए बाध्य होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन–प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपते समय भारतीय मजदूर संघ जिला उपाध्यक्ष मुकेश निकम सहित दिनेश वर्मा, दीपक सेन, रोहित राठौर, नीरज वर्मा, निलेश चौहान, रेवाशंकर सेन, कमलेश सेन, लोकेश चौहान, नारायणी सेवा जिला अध्यक्ष अर्जुन सेन, मुकेश सेन, राजेश भाटी एवं सुनील वर्मा सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

गोबर शिल्प को नई ऊंचाइयां दे रहे भोपाल के मास्टर आर्टिस्ट जितेंद्र राठौर

अनोखा तीर, भोपाल।

पारंपरिक गोबर शिल्प को राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले मास्टर आर्टिस्ट गोबरशिल्पी जितेंद्र राठोर आज भोपाल ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय बन चुके हैं। वर्ष 1976 में भोपाल में जन्मे राठोर ने वाणिज्य प्रबंधन तथा वाणिज्य में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त कर अपनी विद्वत्ता को कला से जोड़ा और गोबर शिल्प को सशक्त, संगठित एवं व्यावसायिक स्वरूप प्रदान किया।

लगभग सोलह वर्षों की निरंतर साधना तथा वर्ष 2019 से व्यावसायिक विस्तार ने उनके कार्य को नई दिशा दी। प्रारंभिक प्रेरणा सुरेश राठोर से मिली, जबकि उनकी माताजी से प्राप्त पारंपरिक ज्ञान और संस्कारों ने इस कला को नवाचार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज यह शिल्प उनके लिए केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक साधना बन चुका है। अपनी पत्नी पुष्पा राठोर के साथ मिलकर वे गोबर से 75 से 100 प्रकार के विविध शिल्पों का निर्माण कर रहे हैं। 25 से अधिक प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से उन्होंने महाराष्ट्र, बुरहानपुर, भोपाल, विदिशा सहित कई स्थानों पर इस कला का प्रसार किया है। देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से उन्हें नियमित आदेश प्राप्त हो रहे हैं, जिनमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली भी शामिल है। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान तथा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान जैसी संस्थाओं में प्रशिक्षण देना उनके कार्य की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

पर्यावरण संरक्षण की भावना से प्रेरित उनके गोबर से निर्मित दीये, हवन सामग्री, मूर्तियाँ, तोरण, धार्मिक प्रतिमाएँ और स्मृति-चिह्न पूर्णतः पर्यावरण अनुकूल हैं। उपयोग के बाद भी ये प्रकृति के लिए लाभकारी सिद्ध होते हैं। 'गो-पुत्र' सम्मान से अलंकृत राठोर ने वन मेला, लोकरंग और खजुराहो महोत्सव जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में अपनी कला का प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। वन मेले में उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ स्टॉल' पुरस्कार प्राप्त हुआ तथा वर्ष 2026 के राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार हेतु उनका नामांकन इस क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान की औपचारिक स्वीकृति है। जितेंद्र कुमार राठोर का कार्य यह प्रमाणित करता है कि परंपरा, नवाचार और पर्यावरणीय चेतना का समन्वय हो तो लोक कला भी आत्मनिर्भरता और सतत विकास का प्रेरक माध्यम बन सकती है। उनका यह प्रयास निस्संदेह समाज और प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

61 हजार की अवैध शराब जब्त, 8 प्रकरण बनाए

अनोखा तीर, हरदा।

कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के निर्देशन व जिला आबकारी अधिकारी सुनील भोजने के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग के मंगलवार को मदिरा के अवैध विक्रय, परिवहन व संग्रहण के विरूद्ध कार्यवाही की। जिला आबकारी अधिकारी सुनील भोजने ने बताया कि इस दौरान आबकारी विभाग के दल ने वृत्त टिमरनी के ग्राम इकडालिया, गोगिया, कामलिया ढाबा, शीतल ढाबा, राजपूत ढाबा, करताना, छीपानेर व गोंदागांव में दबिश दी। दबिश के दौरान कुल 18 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब, 21 पाव देशी शराब एवं 560 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर आबकारी अधिनियम 1915 के तहत कुल 8 प्रकरण दर्ज किये। जप्त मुद्देमाल का अनुमानित बाजार मूल्य 61175 रूपये है।

एलबीएस कॉलेज में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित

27 विद्यार्थियों का चयन

अनोखा तीर, हरदा। लाल बहादुर शास्त्री व्यावसायिक अध्ययन महाविद्यालय, हरदा में बुधवार को सफलतापूर्वक कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराना तथा कंपनियों की आवश्यकतानुसार योग्य अभ्यर्थियों का चयन सुनिश्चित करना था। सेक्टर प्लेसमेंट पार्टनर्स द्वारा 200 पदों पर नियुक्ति हेतु साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया संपन्न करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट का विधिवत आयोजन किया गया। इस अभियान में स्टारविन परफेक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, वापी (गुजरात), एमरेल्ड टेक्नोलॉजी भूसारी (पुणे), ए आर ग्रुप (हरदा), लर्न-कोच (मुंबई), अन्नपूर्णा फाइनेंस (इंदौर), औषध काउ बेस्ड नेचुरल प्रोडक्ट (हरदा) तथा उत्तम सीड्स (खंडवा) सहित प्रतिष्ठित कंपनियों की सहभागिता रही। कंपनियों ने समूह चर्चा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया। प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 45 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जिनमें से 27 विद्यार्थियों का विभिन्न कंपनियों में अंतिम रूप से चयन हुआ। चयनित विद्यार्थियों में अयान खान, प्रबुद्ध दुबे, शिवम रावत, भूमिका बड़ोदिया,

महिमा भाटी, वेदांत गौर, नेहा बिजगावने, दीप्ति गुर्जर, अथर्व जोशी, सलोनी गौर, राज मानकर, नुपूर बनिक, अंकित गौर, उमेर रायन, तानिया झिंझोरे, यश जाट, तेजराम, परमानंद निवारे और अंकित गुर्जर शामिल रहे। इनमें से कुछ विद्यार्थियों का एक से अधिक कंपनियों में भी चयन हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजीव खरे ने इसे विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था का परिणाम बताया। महाविद्यालय प्लेसमेंट सेल ने जानकारी दी कि भविष्य में भी विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराने हेतु ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

आपराधिक गतिविधियों में लिप्त युनुस उर्फ कट्टू पर रासुका की कार्रवाई

अनोखा तीर, हरदा। कलेक्टर एवं जिलादंडाधिकारी सिद्धार्थ जैन ने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर आपराधिक गतिविधियों में लिप्त युनुस उर्फ कट्टू पिता शेख मुबीन, उम्र 30 साल, निवासी फाइल वार्ड हरदा को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3(2) के तहत निरुद्ध करने का आदेश जारी किया है, जो आरोपी को निरूद्ध किये जाने की वास्तविक तिथि से आगामी 3 माह की अवधि के लिये वैध होगी।

विद्युत से सुरक्षा के लिए ग्रामीणजन सावधानियां जरूर बरतें

अनोखा तीर, हरदा।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने ग्रामीणजनों को आगाह किया है कि वे अपने खेत-खलिहानों में विद्युत से सुरक्षा के लिए सावधानियां जरूर बरतें। अक्सर देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में असावधानीवश विद्युत से कई बार अप्रिय घटनाएं घट जाती हैं। यह दुर्घटनाएं कई बार जान-माल का नुकसान भी कर देती हैं। इनसे बचने के लिए ग्रामीणजनों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए कंपनी ने कहा है कि कभी भी विद्युत लाइनों, उपकरणों एवं खंभों से छेड़खानी न करें क्योंकि ऐसा करना विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है। कंपनी ने कहा कि जरा भी असावधानी या छेड़खानी से बड़े-बड़े खतरे पैदा हो सकते हैं। इसलिए ऐसी लाइनें जिनमें विद्युत शक्ति प्रवाहित होती है उन्हें आँधी तूफान या अन्य किसी कारण से टूटने वाले तारों को अकस्मात छूने का प्रयास न करें। इस दौरान जरूरी होगा कि लाइन टूटने की सूचना तत्काल निकटस्थ बिजली कंपनी के अधिकारी को अथवा विद्युत कर्मचारी को दें। संभव हो तो किसी आदमी को उस जगह अन्य यात्रियों को चेतावनी देने के लिये भी बिठा दें। किसानों को सलाह है कि वे खेतों खलिहानों में ऊंची-ऊंची घास की गंजी, कटी फसल की ढेरियां, झोपड़ी, मकान अथवा तंबू आदि विद्युत लाइनों के नीचे अथवा अत्यंत समीप न बनायें। साथ ही विद्युत लाइनों के नीचे से अनाज, भूसे आदि की ऊँची भरी हुई गाड़ियां न निकालें, इससे आग लगने एवं जान जाने का खतरा है। कंपनी ने कहा कि बहुत से स्थानों पर बच्चे पतंग अथवा लंगर का खेल खेलते तरह-तरह के धागे और डोर विद्युत लाइनों में फंसा देते हैं। ऐसा करने से उन्हें रोकें। लाइनों में फंसी पतंग निकालने के लिए बच्चों को कभी भी खंभे पर न चढ़ने दें। इससे एक ओर जहां दुर्घटना को टाला जा सकेगा वहीं दूसरी ओर आप होने वाली आर्थिक हानि से भी बच सकेंगे।